फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 10, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 234 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 फरवरी 2026 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

आज का मौसम
32.0 अधिकतम
15.4 न्यूनतम

दिल्ली शराब नीति केस

अरविंद और मनीष सिसोदिया सहित सभी आरोपी सीबीआई केस में बरी

फूट-फूटकर रोते केजरीवाल बोले मैंने जिंदगी भर ईमानदारी कमाई

अदालत ने कहा - सीबीआई ने साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की

23 आरोपितों में से किसी के भी खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई सबूत नहीं

नईदिल्ली. एजेंसी

दिल्ली की राउज एवेन्यू विशेष अदालत ने आबकारी घोटाला से जुड़े चर्चित सीबीआई मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित कई अन्य को बरी कर दिया। न्यायाधीश जितेंद्र सिंह फैसला सुनाया कि आबकारी नीति में कोई व्यापक साजिश या आपराधिक इरादा नहीं था। अदालत ने कहा कि सीबीआई ने साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन अभियोजन पक्ष का सिद्धांत मात्र अनुमान है। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि 23 आरोपितों में से किसी के भी खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है। अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया।

कोर्ट के इस फैसले से सीबीआई को बड़ा झटका लगा है। इससे सीबीआई की जांच पर गंभीर सवाल भी खड़े हो गए हैं। इसका असर आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले पर भी हो सकता है।

अरविंद केजरीवाल
गिरफ्तारी- 21 मार्च 2024
जमानत-177 दिन बाद

मनीष सिसोदिया
गिरफ्तारी-26 फरवरी 2023
जमानत-510 दिन बाद

संजय सिंह
गिरफ्तारी-4 अक्टूबर 2023
जमानत-181 दिन बाद

के. कविता
गिरफ्तारी-15 मार्च 2024
जमानत-150 दिन बाद

फैसले के बाद कोर्ट के बाहर मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल फूट - फूटकर रोने लगे। उन्हें मनीष सिसोदिया के ढांढस बंधाया। केजरीवाल ने कहा, बीजेपी शराब घोटाला, शराब घोटाला कर रही थी, हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी। आज कोर्ट ने हमें बरी कर दिया। हम हमेशा कहते थे सत्य की जीत होती है। भगवान हमारे साथ है। सत्य की जीत हुई। मोदी जी और अमित शाह जी ने यह सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा था। आम आदमी पार्टी के टॉप 4 नेताओं को जेल में डाल दिया। सिटिंग मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया। चौबीस घंटे खबरें दिखाई जाती थीं कि केजरीवाल भ्रष्ट है। मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई। मैं प्रधानमंत्री जी से अपील करता हूं कि देश में इतनी समस्याएं हैं उन्हें दूर करके, अच्छे काम करके सत्ता में आइए। दूसरों पर आरोप लगाना प्रधानमंत्री जी को शोभा नहीं देता। इस मामले पर स्पेशल जज जितेन्द्र सिंह ने आदेश पारित किया। कोर्ट ने कहा कि कोई ओवरऑल साजिश या क्रिमिनल इंटेंट नहीं मिला है।

सीबीआई को फटकार

अदालत ने सीबीआई को बिना किसी सबूत के उन्हें फंसाने के लिए फटकार लगाई और कहा कि विस्तृत आरोप पत्र में कई कमियां हैं जिनका समर्थन किसी गवाह या बयान से नहीं होता है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ कोई प्रथम दृष्टया केस नहीं बनता। कोर्ट ने CBI की जांच पद्धति पर सवाल उठाए और कहा कि एजेंसी उचित, तार्किक और निष्पक्ष जांच करने में असफल रही। फेयर ट्रायल तभी संभव है जब जांच भी फेयर हो, और इस मामले में जांच उस स्तर पर नहीं पाई गई। राउज एवेन्यू कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ अब CBI दिल्ली हाई कोर्ट का रुख करेगी। वहीं अरविंद केजरीवाल इस मामले को लेकर 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

अफगानिस्तान ने 55, पाक ने 133 लड़ाके मारने की बात कही

पाक-तालिबान में खुला युद्ध, बड़ी संख्या में सैनिक मारने के दावे

इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात पाकिस्तान पर हमला किया। टोलो न्यूज के मुताबिक तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने इस हमले में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया। यह हमला 22 फरवरी को अफगानिस्तान में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में किया गया। अफगान सरकार का दावा है कि 23 पाकिस्तानी सैनिकों के शव उसके पास हैं। उन्होंने पाकिस्तानी सेना के एक हेडक्वॉर्टर और 19 चौकियों पर भी कब्जा कर लिया गया है। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक जवाबी कार्रवाई करते हुए पाक सरकार ने ऑपरेशन 'गजब लिल हक' शुरू किया है। पाकिस्तान की वायुसेना ने काबुल, नंगरहार प्रांत समेत कई शहरों में एयरस्ट्राइक की।

अफगानिस्तान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उसने अपने हवाई क्षेत्र में एक पाकिस्तानी स्न-16 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। अफगान बलों के अनुसार, अमेरिकी निर्मित यह फाइटर जेट काबुल के पास तब गिराया गया जब पाकिस्तान लगातार अफगान सीमा में हवाई हमले कर रहा था। उधर पाकिस्तान का दावा है कि अब तक 133 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए और 200 से ज्यादा घायल हैं। 27 तालिबान चौकियां तबाह कर दी गई हैं और 9 पर कब्जा कर लिया गया है।

पाक रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारे सब्र की सीमा पार हो चुकी है, अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध छिड़ गया है। पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें पाकिस्तानी एयरफोर्स की अफगानिस्तान के काबुल, कंधार और पक्तिका प्रांत में स्ट्राइक के फुटेज हैं।

ईरान की मध्यस्थता की पेशकश

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने इस्लामाबाद और काबुल के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने में मदद की पेशकश की है। एक्स पर एक पोस्ट में ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा, रमजान के पवित्र महीने में, जो आत्मसंयम और एकजुटता को मजबूत करने का महीना है, यह उचित है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान अच्छे पड़ोसी संबंधों के ढांचे के भीतर और संवाद के मार्ग के माध्यम से अपने मौजूदा मतभेदों का प्रबंधन और समाधान करें। अराघची ने आगे कहा इस्लामिक गणराज्य ईरान दोनों देशों के बीच संवाद को सुगम बनाने और समझ और सहयोग को मजबूत करने में किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

न्यूज विंडो

पिता की मौत के बाद टली रिंकू-प्रिया की शादी

नई दिल्ली/लखनऊ। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह के परिवार पर इस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में शादी की तैयारी चल रही थी, इस बीच 27 फरवरी की सुबह रिंकू के पिता का निधन हो गया, जिससे रिंकू और प्रिया की शादी की तारीख भी आगे बढ़ाई जा सकती है। रिंकू के पिता खानचंद ने नोएडा के यथार्थ अस्पताल में आखिरी सांस ली। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। उनकी सेहत लगातार बिगड़ती जा रही थी। पिता की खबर मिलने पर टी-20 विश्वकप के दौरान टीम का प्रैक्टिस सेशन छोड़कर मंगलवार को रिंकू घर लौट आए थे।

महिला से 20 लाख की ठगी श्रीनगर से आरोपी को दबोचा

बालाघाट। साइबर अपराध और इनके देशभर में फैले अनसुलझे नेटवर्क को बालाघाट पुलिस ने भेदकर एक शातिर साइबर अपराधी पर बड़ी कार्रवाई की है। लगभग 1800 किमी दूर श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) से बालाघाट पुलिस ने आरोपित साहिल पिता तारीक नज़ार को खोजकर उससे 2.80 लाख रुपये की रिकवरी की है। शेष राशि की रिकवरी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीम विभिन्न राज्यों में कूच करने की तैयारी में है।

सिक्किम में 2 बार आया भूकंप, लोग घरों से भागे

गंगटोक। पूर्वोत्तर के राज्य सिक्किम में भूकंप के 4.6 और 3.5 तीव्रता वाले दो झटके महसूस किए गए। 11 बजकर 24 मिनट पर 4.6 की तीव्रता वाला पहला भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र ग्यालशिंग जिले के युक्सोम से चार किमी उत्तर-पूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई में था। यह झटका काफी तेज था। गंगटोक, नामची, मंगन और पेलिंग जैसे इलाकों में भी महसूस किया गया। घबराए लोग घरों से बाहर निकल आए और कई जगहों पर लोग डर के मारे चीखते हुए सड़कों पर पहुंच गए।

आज का कार्टून

आलीराजपुर को विकास कार्यों की सौगात

आदिवासी अंचल में आजाद स्मृति और भगोरिया उत्सव

आलीराजपुर, एजेंसी

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 95वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज जिले में गरिमामय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिले के प्रवास पर है और विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता कर रहें हैं। मुख्यमंत्री ने आजाद स्मृति मंदिर पहुंचकर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात मण्डी प्रांगण, चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित कार्यक्रम में जनसमुदाय को संबोधित करेंगे।

171.19 करोड़ रुपये के विकास कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अवसर पर जिले में 79.92 करोड़ रुपये लागत के 14 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 119.02 करोड़ रुपये लागत के 35 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी कर रहे हैं। कुल मिलाकर 171.19 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं जिलेवासियों को समर्पित की जाएंगी, जिससे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, सुविधाओं और समग्र विकास को नई गति मिलेगी। भगोरिया को राष्ट्रीय पहचान देने के लिए मुख्यमंत्री जनजातीय अंचल में आयोजित पारंपरिक भगोरिया हाट में भी सम्मिलित होंगे। इस दौरान वे जनजातीय समाज के लोगों को शुभकामनाएं देंगे और उनसे संवाद करेंगे। भगोरिया हाट जनजातीय अंचल का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक लोकपर्व है।

सीरप तस्करी के आरोपी की 9.50 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

कानपुर, एजेंसी। जेल में बंद कोडीनयुक्त सीरप विक्रेता गिरोह के सरगना विनोद अग्रवाल व उसकी पत्नी सविता और बेटे शिवम के नाम की 9.50 करोड़ की पांच संपत्तियां एसआइटी ने फ्रीज कर दीं। इसके अलावा 23 लाख की एक इनोवा क्रिस्टा कार और छह बैंक खातों में मिले 42 लाख रुपये भी फ्रीज किए गए। सरगना और उसके परिवार की इन्हीं पांच संपत्तियों को 12 फरवरी को वाराणसी पुलिस ने भी फ्रीज किया था, जिनकी कीमत 4.80 करोड़ रुपये दिखाई थी जबकि वहां की पुलिस ने विनोद की फर्म के नाम के बैंक खाते में मिले 37 लाख 42 हजार रुपये भी फ्रीज कराए थे।

कॉकपिट से देश को मैसेज-वीर सैनिकों को गर्व के साथ धन्यवाद

फाइटर 'प्रचंड' में राष्ट्रपति मुर्मू की उड़ान

जैसलमेर, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरी। वे हेलिकॉप्टर प्रचंड में बतौर को-पायलट उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति हैं। राष्ट्रपति ने उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर के कॉकपिट से सैल्यूट किया। राष्ट्रपति मुर्मू इससे पहले लड़ाकू विमान सुखोई और राफेल में उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनी थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू सुबह करीब 9:15 बजे जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पहुंची थीं। सेना के अधिकारियों ने उन्हें हेलिकॉप्टर के बारे में ब्रीफिंग दी। इसके बाद वे हेलिकॉप्टर के कॉकपिट में बैठीं।

फिर सुबह करीब 10.15 बजे ग्रुप कैप्टन एन.एस. बहुआ के साथ हेलिकॉप्टर में उड़ान भरी। हेलिकॉप्टर में 25 मिनट उड़ान के दौरान राष्ट्रपति ने सीमावर्ती क्षेत्रों और पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का हवाई जायजा लिया। जैसलमेर के सोनार दुर्ग के ऊपर 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर में उड़ान भरते हुए राष्ट्रपति ने रेडियो के माध्यम से देश के नाम संदेश दिया। उन्होंने कहा- मैं आज प्रचंड हेलिकॉप्टर में उड़ान भर रही हूं। प्रचंड हेलिकॉप्टर आत्मनिर्भरता का प्रबल प्रतीक है।

मैं इस समय जैसलमेर के प्रसिद्ध किले के ऊपर से उड़ान भर रही हूं। मैं देश के वीर सैनिकों को गर्व के साथ धन्यवाद देती हूं। मेरा सभी को प्यार भरा नमस्कार। जय हिंद, जय भारत।

हर्ष फायर पर एफआईआर से नाराज विधायकों का वॉकआउट

विधायक बाबू जंडेल का शीर्षासन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा परिसर में श्योपुर जिले के कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने आज शीर्षासन किया। दरअसल, शिवरात्रि पर शिव बारात के दौरान हर्ष फायरिंग के मामले में दर्ज एफआईआर को लेकर उन्होंने विरोध जताया।

सदन की कार्यवाही के दौरान शून्यकाल में कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय और सचेतक सोहन वाल्मीकि ने भी इस मुद्दे को उठाया। हालांकि, स्पीकर द्वारा विषय की जानकारी संबंधित विभाग को भेजे जाने की बात कहने पर असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने वॉकआउट कर दिया। इसके बाद बाबू जंडेल ने विधानसभा भवन के बाहर गांधी प्रतिमा के सामने शीर्षासन कर अपना विरोध जताया। बाबू जंडेल ने कहा कि 15 फरवरी को हमारे क्षेत्र में यज्ञ का कार्यक्रम था। हजारों की संख्या में ब्राह्मण और साधु-संत मौजूद थे। मैंने शिवजी का चौतरा बनाकर विधि-विधान से तीन दिन तक हवन कराया, भगवान की स्थापना करवाई और उसके बाद शिव बारात का कार्यक्रम रखा गया।शिव बारात में पालकियों और घोड़ों पर साधु-संत और ब्राह्मण सवार थे, फूल वर्षा हो रही थी और पटाखे चल रहे थे। मैं भी घोड़े पर सवार था। मेरे पास एक 'चढ़ीमार' का एक राउंड था, जो दावत का राउंड होता है। भगवान की खुशी में मैंने एक हर्ष फायर किया। वह सिर्फ एक ही राउंड था। मेरे पास कोई एके 47 नहीं थी।

साइबर अपराध के खतरों से निपटने पूरी दुनिया में हो समान कानून

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

एआई में भारत-कल, आज और कल: पार्ट 4

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में दौड़ती दुनिया के दौर में छुपी आपदा के खतरों को अवसर में बदलने की चुनौती आम इंसान के लिए ही नहीं, सरकारी संस्थानों, बैंकों से लेकर ऐसे सभी क्षेत्रों के लिए है जो इंटरनेट और डाटा का इस्तेमाल करते हैं। इन खतरों की पहचान करके इनसे निपटने के लिए सभी देशों को समान कानूनी उपाय करने की जरूरत है। तय करना होगा कि एआई हमें नियंत्रित करेगा या हम इसे कैसे नियंत्रित होंगे? बेशक, यह तकनीक मानव जीवन को आसान, तेज और सुविधाजनक बना रही है, क्योंकि यह शक्तिशाली तकनीक है, लेकिन बेकाबू हुई तो समाज के लिए खतरे भी हैं। एआई के जरिए चेहरे की पहचान, व्यवहार विश्लेषण और डेटा ट्रैकिंग जैसी तकनीकों के माध्यम से सरकारें,कंपनियां और सायबर अपराधी आपकी गतिविधियों की निगरानी कर सकती हैं। इससे एक ओर सुरक्षा की मजबूती है तो दूसरी तरफ लोगों की निजता भंग होने का खतरा है। अपराधी आपको एक झटके में कंगाल भी बना सकते हैं। सवाल यह भी है कि यदि कोई एआई प्रणाली गलती करती है जो उसकी जवाबदेही किसकी होगी? मशीन की, निर्माता की या उपयोगकर्ता की। कई मौकों पर एआई सिस्टम गलत डेटा के कारण पक्षपात भरे फैसले भी कर सकता है।

एआई होगा चुनावी औजार

एआई का सबसे बड़ा खतरा यह माना जा रहा है कि यह भविष्य में सच और झूठ के बीच का अंतर मिटा सकता है। आज एआई की मदद से ऐसे वीडियो और ऑडियो बनाए जा रहे हैं जो पूरी तरह वास्तविक लगते हैं, लेकिन होते नहीं। इन्हें डीपफेक कहा जाता है। इस तकनीक के चलते किसी भी व्यक्ति का फर्जी वीडियो या आडियो बनाकर उसे बदनाम करना, या समाज में भ्रम फैलाना बहुत आसान हो गया है। भारत में 2019 या 2024 का चुनाव सोशल मीडिया के औजार से लड़ा गया तो तय मानिए कि आने वाले चुनाव का सबसे बड़ा हथियार एआई ही रहने वाला है। जाहिर है कि यह स्थिति लोकतंत्र, मीडिया और सामाजिक विश्वास के तकाजों के लिहाज से खतरे की बड़ी घंटी है। एआई ने साइबर अपराध को भी पहले से कहीं अधिक खतरनाक बना दिया है। बैंकिंग फ्राड, ऑनलाइन ठगी और डेटा हैकिंग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एआई अब पासवर्ड तोड़ने, सुरक्षा प्रणाली को भेदने और स्वचालित तरीके से लाखों लोगों को ठगने में सक्षम है।

वैश्विक आर्थिक सुधारों के बाद बड़े घोटाले

मुझे 24 साल पहले का एक साक्षात्कार का प्रसंग याद आ रहा है। बात 2002 की है। तब मैं भारत के सबसे बड़े हिंदी समचार पत्र समूह में से एक दैनिक भास्कर में रिपोर्टिंग चीफ के बतौर भारत सरकार के मुख्य सतर्कता आयुक्त एन विट्ठल से रूबरू था। इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा था कि भारत में बीते दस सालों में बड़े हर्षद मेहता, केतन पारिख जैसे हजारों करोड़ के घोटाले हर दो साल में क्यों हो रहे हैं? एन विट्ठल ने साफगोई दिखाते हुए इसे 1991 में हुई विश्व व्यापार संधि के साथ वैश्विक अर्थव्यव्स्था का साइड ईफेक्ट बताया था। उनका कहना था हमने आर्थिक सुधार के नाम पर नई व्यवस्था को तो अपना लिया लेकिन उसके चलते होने वाले अपराधों की रोकथाम के कानून वक्त से पहले नहीं बनाए। इसके चलते आगे-आगे घोटाले हुए और पीछे पीछे कानून बने। जबकि दोनों काम साथ-साथ होना थे। यह एक कड़वा सच है कि किसी नई व्यवस्था में सदुपयोग के पहले दरूपयोग करने वाले सक्रिय हो जाते हैं। इसी वजह से यह हुआ। कहने का आशय यही कि किसी नई चीज को अपनाते वक्त उसके दुष्परिणामों को रोकने की ठोस पहल होना चाहिए। जो भूल पहले हुई उसे दोहराने से बचा जाए। इसके लिए वैश्विक स्तर पर समान कानून बनाने की दरकार है, क्योंकि जरूरी नहीं कि अपराधी हमारे देश में बैठकर ही इस काम को अंजाम दे। एआई के कारण नौकरियों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कई पारंपरिक काम एआई से होने लगे हैं। जाहिर है जो इसके मुताबिक नहीं ढलेंगे उनकी नौकरी पर खतरे के बादल मंडराएंगे। लेकिन बात सिर्फ समस्या की विवेचना की नहीं, उसके समाधान की होनी चाहिए। यानि अभी जो जहां काम कर रहा है वह अपनी शैक्षिक काबिलियत को अब सिर्फ बुनियादी माने। यदि वह एआई में निपुणता हासिल कर ले तो उसकी न सिर्फ नौकरी बची रहेगी बल्कि ज्यादा मेहनताना मिलेगा और कम समय में ज्यादा काम को अंजाम देने में मदद मिलेगी। - समाप्त

जीएमसी में बंकर का काम अंतिम चरण में, एम्स पर निर्भरता घटेगी

अब डुअल एनर्जी लीनेक से कैंसर रोगी को मिलेगा सटीक रेडिएशन

हमीदिया अस्पताल में मॉडर्न रेडिएशन बंकर तैयार, जल्द लगाई जाएगी मशीन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गांधी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हमीदिया अस्पताल में मॉडर्न रेडिएशन बंकर लगभग तैयार हो चुका है, जहां जल्द ही डुअल एनर्जी लीनेक मशीन स्थापित की जाएगी। यह सुविधा अब तक केवल एम्स भोपाल में उपलब्ध है, जिसके कारण हजारों मरीजों का भार एक सेंटर पर पड़ रहा है। इससे मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। नए सेटअप से न सिर्फ भोपाल बल्कि आसपास के जिलों के मरीजों को भी समय पर और सटीक उपचार मिल सकेगा। बढ़ते कैंसर मामलों के बीच यह कदम उपचार व्यवस्था को मजबूत करेगा।

इसलिए जरूरी नई कैंसर यूनिट

आईसीएमआर की कैंसर रजिस्ट्री के अनुसार मध्यप्रदेश में 1 लाख 54 हजार 567 से अधिक लोगों को कैंसर उपचार की आवश्यकता है। केवल भोपाल में ही लगभग 4350 मरीज उपचार की जरूरत में हैं। राज्य में हर महीने औसतन 3,500 मौतें कैंसर के कारण होती हैं। वर्तमान में सरकारी क्षेत्र में उन्नत रेडिएशन सुविधा मुख्य रूप से एम्स भोपाल में केंद्रित है, जहां हर साल 36 हजार से अधिक मरीज पहुंचते हैं। इतनी बड़ी संख्या के कारण उपचार में देरी होती है, जो गंभीर मरीजों के लिए जोखिम बढ़ा सकती है। ऐसे में हमीदिया अस्पताल में नई यूनिट शुरू होने से प्रतीक्षा समय घटेगा और रोग की शुरुआती अवस्था में उपचार संभव हो सकेगा।

3 मीटर मोटी दीवारों वाला सुरक्षित बंकर

रेडिएशन थेरेपी में उच्च ऊर्जा किरणों का उपयोग होता है, इसलिए सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार बंकर को एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड के मानकों के अनुरूप बनाया गया है। मशीन के सामने, पीछे और छत को लगभग तीन मीटर मोटी ठोस कांक्रीट से तैयार किया गया है, जबकि अन्य दीवारें करीब डेढ़ मीटर मोटी हैं। यह संरचना रेडिएशन को बाहर फैलने से रोकती है। जल्द ही श्वक्रक्क की टीम निरीक्षण करेगी और अनुमति मिलने के बाद मशीन इंस्टॉल की जाएगी।

नई तकनीक से होगा इलाज

हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन के अनुसार कैंसर पीड़ितों के लिए नई तकनीक उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। वहीं मप्र हेल्थ कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि राजधानी सहित पांच मेडिकल कॉलेजों में लीनियर एक्सीलरेटर, क्क्ष्ठ्ठ-ष्टञ्ज और ब्रेकी थेरेपी यूनिट स्थापित की जाएंगी।

कैंसर उपचार में देरी घातक

NHM के पूर्व संचालक डॉ. पंकज शुक्ला बताते हैं कि कैंसर एक प्रगतिशील रोग है, जिसमें कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ती हैं। यदि शुरुआती चरण में पहचान और उपचार हो जाए तो कई प्रकार के कैंसर पूरी तरह नियंत्रित किए जा सकते हैं, लेकिन निदान में देरी होने पर ट्यूमर आसपास के अंगों या शरीर के अन्य हिस्सों में फैल सकता है, जिसे मेटास्टेसिस कहा जाता है। डॉ. शुक्ला के अनुसार उपचार में देरी के प्रमुख कारणों में जागरूकता की कमी, विशेषज्ञों की अनुपलब्धता, लंबी प्रतीक्षा सूची और आर्थिक चुनौतियां शामिल हैं। रेडिएशन थेरेपी में समय का विशेष महत्व होता है, क्योंकि निर्धारित सत्रों के बीच लंबा अंतर रोग की प्रतिक्रिया को प्रभावित कर सकता है।

डुअल एनर्जी लीनेक-सटीक और नियंत्रित उपचार

करीब 25 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे इस सेटअप में एडवांस डुअल एनर्जी लीनेक मशीन लगाई जाएगी। यह मशीन एक समय में दो ऊर्जा स्तरों की रेडिएशन किरणें उत्सर्जित कर सकती है। इस तकनीक की खासियत यह है कि रेडिएशन सीधे कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं पर केंद्रित किया जाता है, जिससे आसपास की स्वस्थ कोशिकाएं सुरक्षित रहती हैं। इससे उपचार अधिक प्रभावी और साइड इफेक्ट अपेक्षाकृत कम होते हैं।

स्कैन और ब्रेकी थेरेपी की सुविधा

नई यूनिट में PET-CT स्कैन और ब्रेकी थेरेपी की सुविधा भी विकसित की जाएगी। PET-CT स्कैन से कैंसर की सटीक लोकेशन, स्टेजिंग और फैलाव का पता लगाने में मदद करेगा। यह अंगों की संरचना के साथ कोशिकाओं की मेटाबॉलिक गतिविधि भी दर्शाता है। वहीं, ब्रेकी थेरेपी से ट्यूमर के भीतर या उसके पास रेडिएशन स्रोत रखकर सटीक उपचार किया जाता है। इन सुविधाओं से कैंसर के निदान से लेकर उपचार तक की पूरी श्रृंखला एक ही परिसर में उपलब्ध होगी।

हर प्रकार के ट्यूमर में कारगर

लीनियर एक्सीलरेटर (लीनेक) एक ऐसी मशीन है जो उच्च ऊर्जा एक्स-रे या इलेक्ट्रॉन बीम उत्पन्न करती है। डुअल एनर्जी मॉडल में दो अलग-अलग ऊर्जा स्तरों का उपयोग संभव होता है, जिससे सतही और गहरे दोनों प्रकार के ट्यूमर का उपचार किया जा सकता है। उपचार से पहले मरीज का ष्टञ्ज सिमुलेशन किया जाता है, जिससे ट्यूमर की सटीक स्थिति निर्धारित होती है। कंप्यूटराइज्ड ट्रीटमेंट प्लानिंग सिस्टम यह तय करता है कि कितनी मात्रा में और किस दिशा से रेडिएशन देना है। रेडिएशन बीम को मल्टी-लीफ कोलिमेटर द्वारा आकार दिया जाता है ताकि केवल कैंसर कोशिकाएं लक्ष्य बनें। इससे आसपास के स्वस्थ ऊतक सुरक्षित रहते हैं।

पुलिस जांच में कई युवतियों का शोषण होने की पुष्टि

धर्म परिवर्तन- अमरीन और चंदन को लेकर टीम अहमदाबाद रवाना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

घर के कामकाज के बहाने हिंदू युवतियों को अपने जाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और देह व्यापार के लिए मजबूर करने के आरोप में पुलिस ने अमरीन खान और चंदन यादव को अहमदाबाद लेकर रवाना किया है। अमरीन और चंदन एक मार्च तक पुलिस रिमांड पर रहेंगे।

आरोपियों के साथ बहनें अमरीन और आफरीन भी शामिल थीं, जो उनका साथ दे रहीं थीं । बाग सेवनिया पुलिस ने एक युवती और एक महिला की शिकायत पर दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के आरोप में मामला दर्ज किया है। जांच में पता चला है कि अमरीन और आफरीन अपने साथियों के साथ मिलकर हिंदू युवतियों से दोस्ती करती थीं, जिन्हें काम की आवश्यकता होती थी। इसके बाद उन्हें घर के कामकाज के बहाने रखा जाता और क्लब पार्टियों में ले जाकर युवकों से दोस्ती कराई जाती। बाद में उनसे गलत काम कराया जाता था। पांच-छह युवतियों के नाम सामने आए हैं, जिन्हें देह व्यापार में धकेला गया। आरोप है कि उन्हें मुस्लिम युवकों से शादी करने और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया। डर के कारण दो-तीन युवतियों ने धर्म परिवर्तन भी किया। पुलिस अब यासिन, बिलाल और संजना उर्फ जन्नत नाम की युवती की तलाश कर रही है।

आरोपी दोनों बहनों के मोबाइल डेटा साइबर क्राइम को भेजे गए

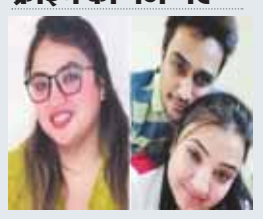

पुलिस ने अमरीन खान और बहन आफरीन के नेतृत्व वाले गिरोह की जांच तेज कर दी है। आरोप है कि रायसेन निवासी चंदन यादव और अहमदाबाद निवासी यासिन घी वाला समेत अन्य लोग युवतियों को दोस्ती और धमकी के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। कई युवतियों के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने के भी आरोप हैं। दोनों बहनों के मोबाइल डेटा रिकवर करने साइबर क्राइम भेजे हैं।

नीट पीजी: स्ट्रे राउंड आज से शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नीट पीजी 2025-26 की राज्य स्तरीय काउंसिलिंग में मॉपअप राउंड समाप्त होने के बाद भी 412 सीटें खाली रह गई हैं। इनमें 79 सीटें सरकारी मेडिकल कॉलेजों की हैं। प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में है, बावजूद सीटें रिक्त रहने से चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। अब 27 और 28 फरवरी को चार-चार स्लॉट में होने वाला स्ट्रे वेकेंसी चरण तय करेगा कि शेष सीटें भरती हैं या नहीं। काउंसिलिंग सुबह शुरू हो गई जो शाम 6.15 बजे तक चलेगी।

डीएलएड संस्थाओं की संबद्धता फीस बढ़ी, नई दरें इस सत्र से लागू

10 तक जमा करना अनिवार्य देरी पर समाप्त होगी मान्यता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सत्र 2026-27 से डीएलएड पाठ्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाओं के लिए संबद्धता, नवीनीकरण और अतिरिक्त इंटेक की फीस बढ़ा दी है। कार्यपालिका समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद संशोधित आदेश जारी कर नई दरें लागू कर दी गई हैं। संस्थाओं को 10 मार्च 2026 तक निर्धारित शुल्क यूको बैंक की निर्दिष्ट शाखा या आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से जमा कर आवेदन की प्रति मंडल कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। तय समय सीमा तक राशि जमा नहीं होने पर संबंधित संस्था की संबद्धता समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार डीएलएड की परीक्षाओं के लिए पहली बार संबद्धता शुल्क 1 लाख 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया गया है। यानी एकमुश्त 50 हजार रुपए की वृद्धि की गई है। इसी तरह प्रत्येक 50 विद्यार्थियों के अतिरिक्त इंटेक के लिए भी शुल्क 1 लाख 50 हजार से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया गया है। यह भी एक बार देय होगा। संस्थाओं को शुल्क माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल परिसर स्थित यूको बैंक, हबीबगंज शाखा में सचिव के नाम चालान के माध्यम से जमा करना होगा। किसी अन्य बैंक का चालान मान्य नहीं होगा। इसके अलावा आरटीजीएस या एनईएफटी के माध्यम से भी भुगतान किया जा सकता है। इसके लिए निर्धारित खाता क्रमांक और आईएफएससी कोड जारी किया गया है। राशि जमा होने के बाद उसकी पुष्टि सुनिश्चित करना भी संस्था की जिम्मेदारी होगी। सत्र 2026-27 के लिए नई संबद्धता, नवीनीकरण या अतिरिक्त इंटेक के आवेदन 10 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से मंडल कार्यालय में जमा करने होंगे। आवेदन के साथ शुल्क जमा करने का प्रमाण भी संलग्न करना जरूरी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि तय तिथि तक राशि जमा नहीं होने पर पूर्व आदेश के प्रावधानों के तहत संबंधित संस्था की संबद्धता समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित संस्था की होगी।

मंडल ने सभी संस्थाओं से समय सीमा का पालन करने और नियमों के अनुसार आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा न आए।

मेनोपॉज से जुड़ी समस्याओं पर होगी चर्चा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आज से 1 मार्च 2026 तक इंडियन मेनोपॉज सोसाइटी की 31वीं राष्ट्रीय वार्षिक कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल मेनोपॉज सोसाइटी की मेजबानी में आयोजित होगा। सम्मेलन में देश-विदेश से 600 से अधिक प्रतिनिधि और कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भाग लेंगे। आयोजन का उद्देश्य 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं में पेरि-मेनोपॉज और मेनोपॉज से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं पर गहन चर्चा, आधुनिक उपचार पद्धतियों की जानकारी और जनजागरुकता को बढ़ावा देना है। सम्मेलन का आयोजन कोर्टयार्ड बाय मैरियट में किया जाएगा। यह एक राष्ट्रीय स्तर का शैक्षणिक कार्यक्रम है, जिसमें परामर्शदाता चिकित्सक, निजी चिकित्सक, शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्य और नवोदित स्त्री-रोग विशेषज्ञ शामिल होंगे।

उद्योग क्षेत्र में गंदगी का अंबार, बीमारियों का खतरा बढ़ा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया इन दिनों बदहाली और गंदगी की मार झेल रहा है। वर्षों से यहां कचरे की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिससे न सिर्फ उद्योगों का माहौल खराब हो रहा है बल्कि आसपास काम करने वाले हजारों श्रमिकों और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया शहर का अहम औद्योगिक हब माना जाता है, जहां छोटी-बड़ी सैकड़ों फैंट्रियां और व्यावसायिक इकाइयां संचालित होती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि उद्योगों की इस पहचान के बीच स्वच्छता की तस्वीर बेहद खराब है। सड़कों के किनारे, खाली प्लॉटों में और नालियों के पास कचरे के ढेर जमा हैं। कई स्थानों पर औद्योगिक अपशिष्ट के साथ घरेलू कचरा भी पड़ा रहता है, जिससे दुर्गंध और गंदगी फैल रही है।

कचरे के ढेरों में सड़ता हुआ कचरा मच्छरों और आवारा जानवरों का अड्डा बन चुका है। इससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब कचरा नालियों को जाम कर देता है और पानी भराव की समस्या खड़ी हो जाती है।

प्रशासन से मांग

स्थानीय उद्योग संगठनों और नागरिकों ने मांग की है कि नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। औद्योगिक कचरे के लिए अलग प्रबंधन प्रणाली लागू हो। खाली प्लॉटों में कचरा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। निगरानी के लिए विशेष सफाई अभियान चलाया जाए।

ननि की लापरवाही पर सवाल

स्थानीय व्यापारियों और कर्मचारियों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया गया। नियमित सफाई और कचरा उठाने की व्यवस्था कागजों तक सीमित नजर आती है। सवाल यह उठता है कि जब यह क्षेत्र शहर की औद्योगिक पहचान है, तो यहां सफाई व्यवस्था इतनी लचर क्यों है?

निवेश और छवि पर असर

विशेषज्ञों का मानना है कि औद्योगिक क्षेत्रों में साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाएं बेहतर होना जरूरी है, क्योंकि यही क्षेत्र निवेश आकर्षित करते हैं। गंदगी और अव्यवस्था से शहर की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।

लोगों का कहना है कि जब तक जिम्मेदार एजेंसियां ठोस कदम नहीं उठाएंगी, तब तक गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया की यह समस्या यूं ही बनी रहेगी। सवाल यह है कि क्या प्रशासन शहर के इस महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने की दिशा में गंभीर कदम उठाएगा, या फिर कचरे के ढेर यूं ही शहर की साख को धूमिल करते रहेंगे?

मंत्रों के साथ तैयार हो रहा हर्बल गुलाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लघु उद्योग भारती महिला इकाई, ने स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत नवाचार किया। कार्यशाला आयोजित कर मंत्रों और भजनों के बीच महिलाओं को हर्बल गुलाल बनाने सिखाया गया। प्रशिक्षण का नेतृत्व विशेष रूप से उपस्थित स्वदेशी जागरण मंच मध्य भारत की महिला प्रमुख, सौंदर्य विशेषज्ञ एवं गुलाल विशेषज्ञ सीमा भारद्वाज ने किया। विशेषज्ञ सीमा भारद्वाज ने फूल-फल से हर्बल गुलाल बनाना सिखाया। कार्यशाला में महिलाओं को फूलों, फलों, सब्जियों एवं औषधियों से प्राकृतिक गुलाल बनाना सिखाया। वहीं, स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी।

सीमा ने बताया कि भोपाल में बड़ी संख्या में महिलाएं हर्बल रंग सदा रहें संग अभियान से जुड़ चुकी हैं। वह प्राकृतिक गुलाल बनाकर बाजार में बेचकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। कार्यशाला का उद्देश्य रासायनिक रंगों के स्थान पर सुरक्षित, प्राकृतिक रंग-गुलाल को बढ़ावा देना तथा स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर महिलाओं को स्वदेशी संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम में प्रतिभा शुक्ला, रश्मि गुर्जर, शुभा कमरीशी, संगीता तिवारी, साधना शर्मा आदि उपस्थित रहीं।

मौसम में उतार-चढ़ाव, अगले 4 दिनों में बढ़ेगा पारा

राजधानी में रातें हुईं ठंडी और दिन में है गर्मी का अहसास

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। प्रदेश के दक्षिणी जिले जहां बीते दिनों ओला-बारिश की चपेट थे। वहीं दूसरी ओर राज्य के उत्तरी इलाकों में कई जिलों का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है।

इधर राजधानी भोपाल में राते ठंडी हो रही हैं और दिन गर्मी का अहसास करा रहे हैं। तापमान में बढ़ोत्तरी का यह दौर बारिश बाद आमसान खुलते ही शुरू हो गया हैं। जिसका असर दिन और रात के तापमान में स्पष्ट दिखने लगा हैं। राजधानी में ही दिन का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। मौसम विभाग ने आगामी 4 दिनों में इसमें 3 डिग्री तक बढ़ोत्तरी का अनुमान जताया है। जबकि रात का तापमान फिलहाल 15 डिग्री के आसपास रह सकता है। गुरुवार को यहां का न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी में फरवरी माह में 35 डिग्री तक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है। वर्ष 2014 से 2024 के बीच यह स्थिति 4 साल रही है। इसी तरह रात में पारा 10 डिग्री से कम दर्ज किया गया। इस बार फरवरी में दिन का तापमान 30 डिग्री को पार कर चुका है। मौसम विभाग के मौसम वैज्ञानिक अरूण शर्मा के मुताबिक प्रदेश के दक्षिणी जिलों में कई स्थानों में झंझावत और व्रजपात का अनुमान है। इसमें बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम और उज्जैन जिले प्रमुख है।

मेट्रो एंकर

धूल, गड्ढों और पानी की पाइपलाइन फूटने से लोग परेशान

अमृत 2.0 की खुदाई से बेहाल शहर, दो माह से सड़कें खुदी पड़ीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर में गायत्री मंदिर से जाने वाली 80 फिट रोड पर करीब दो महीने पहले सड़क बीच से खोदी गई। सीवेज लाइन बिछाने के बाद गड्ढे को मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया। कमर्शियल इलाका होने से यहां वाहनों की आवाजाही अधिक है, जिससे धूल लगातार उड़ रही है।

एमपी नगर जोन-1 और 2 के अलावा शाहपुरा, गुलमोहर, त्रिलंगा, गोविंदपुरा, बागसेवनिया और अरेरा कॉलोनी में भी खुदाई के बाद रेस्टोरेशन अधूरा है। कई जगह पानी की पाइप लाइन टूटने की समस्या भी सामने आई हैं। एमपी नगर में सीवेज का पानी जमीन में मिलने की शिकायतें भी मिली हैं। नियमानुसार, अमृत 2.0 के तहत सीवरेज नेटवर्क के लिए खोदी गई सड़कों का ठेकेदार को 21 दिन में रेस्टोरेशन (मरम्मत) करना होता है, लेकिन कई इलाकों में दो-दो महीने से गड्ढे खुले पड़े हैं। अब तक इन सड़कों को ठीक नहीं किया गया है। इससे धूल उड़ रही है। अरेरा हिल्स स्थित पर्यावास भवन मॉनिटरिंग सेंटर पर बीते सात दिन में से चार दिन पीएम-10 का स्तर बहुत खराब यानी 200 के पार दर्ज हुआ। यह टीटी नगर और ईदगाह हिल्स से काफी अधिक चल रहा है। एमपी नगर सहित शहर के व्यस्त इलाकों में स्थिति ज्यादा खराब है।

इधर, नगर निगम का कहना है कि अभी मैन लाइन डाली गई है। घरों के कनेक्शन जोड़ने के लिए दोबारा खुदाई की जाएगी, इसलिए गड्ढे नहीं भरे गए। प्रोजेक्ट के तहत 984 किलोमीटर सीवर लाइन, 10 एसटीपी और 1.21 लाख से ज्यादा घरों को कनेक्शन दिए जाएंगे। इस पर तीन साल में करीब एक हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

दूसरे पैकेज का काम भी शुरू... पहले पैकेज के बाद अब दूसरे पैकेज का काम भी गोविंदपुरा और नरेला में शुरू हो गया है। इससे आने वाले समय में अन्य इलाकों में भी लोगों को परेशानी होगी। कई इलाकों में पानी की पाइप लाइनें भी टूट गई हैं। हालांकि टेंडर शर्त में पाइप लाइन कटने पर उसे ठीक करने की जिम्मेदारी कांट्रेक्टर की है।

उपाय नहीं किए तो और बढ़ेगा पीएम स्तर: प्रदूषण में धूल प्रमुख कारण होता है। जहां निर्माण हो रहा है, उसे ग्रीन नेट से कवर करना चाहिए। अगर क्षेत्र कवर नहीं हो सकता है, तो पानी का छिड़काव करना चाहिए। यह उपाय नहीं किए तो पीएम-10 और बढ़ेगा।

मेट्रो का उप नगरों तक होगा विस्तार

» इंदौर और भोपाल में मास्टर प्लान से आगे की सोच रही सरकार

भोपाल। इंदौर और भोपाल जैसे शहरों के मास्टर प्लान लागू करने के बजाए अब सरकार प्रदेश के दूसरे शहरों में मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। नई रणनीति के तहत मेट्रो का उप नगरों तक विस्तार किया जाएगा।विकसित मध्य प्रदेश 2047 की कार्ययोजना के तहत यह प्लानिंग की जा रही है। इसमें भोपाल से विदिशा, भोपाल से होशंगाबाद और भोपाल से रायसेन के बीच मेट्रो चलाई जाएगी। इसी तरह इंदौर से देवास, इंदौर से महू और इंदौर से उज्जैन के बीच भी मेट्रो का चलाई जाएगी।

मेट्रो प्रोजेक्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारी, विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय प्रस्तुतीकरण देंगे। इससे पहले मेट्रो के विस्तार के प्रस्तावित शहरों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी।इंदौर-भोपाल में मेट्रो को पब्लिक ट्रांसपोर्ट से भी जोड़ा जाएगा। मेट्रो स्टेशनों पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे बसें चलाई जाएगी। ताकि यात्री मेट्रो से उतरकर बस से अपने गंतव्य तक पहुंच सके। मेट्रो स्टेशनों के पब्लिक ट्रांसपोर्ट को ग्रामीण परिवहन तक जोड़ने की योजना है।

छोटे नगरों तक पहुंचेगी सुविधा

सिटीज फॉर टुमारो यानी कल के लिए शहर कैसा हो, इस परिकल्पना के तहत ही मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। इसके तहत जबलपुर और ग्वालियर की मेट्रो परियोजना तैयार की जाएगी, शहर के बाहर छोटे नगरों तक मेट्रो चलाई जाएगी। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि सरकार की पूर्व से ही शहर में मेट्रो चलाने की कोई योजना नहीं थी।शहर को डिसेंट्रलाइज करने के लिए भोपाल से होशंगाबाद, रायसेन के बीच चलाया जाना था। वहीं इंदौर से देवास, महू, उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने का प्लान था, लेकिन बीच में 15 माह की कमल नाथ सरकार ने आकर भूमिपूजन कर कम शुरू कर दिया।

सनातन परंपरा एवं राष्ट्र निर्माण के प्रेरक उदाहरण रहे स्वरूपानंदजी: मुख्यमंत्री

ब्रह्मलीन शंकराचार्य के दिव्य स्तंभ लोकार्पण में वर्चुअली शामिल हुए डॉ. यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का जीवन भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी के जन्म स्थल सिवनी में उनके दिव्य स्तंभ की स्थापना सौभाग्य का विषय है तथा यह भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को जबलपुर एयरपोर्ट से सिवनी जिला मुख्यालय स्थित शंकराचार्य चौक के लोकार्पण कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होकर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्रीने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के विचारों एवं संस्कारों को न केवल आत्मसात करें, बल्कि उन्हें समाज में व्यापक रूप से प्रचारित कर आगे बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार सनातन मूल्यों से प्रेरणा लेकर सुशासन की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा रहा है।

दिव्य स्तंभ के लोकार्पण अवसर पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने आदि शंकराचार्य के जीवन एवं सनातन धर्म में उनके योगदान पर प्रकाश डाला तथा ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के आध्यात्मिक योगदान एवं राष्ट्रधर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्मरण किया।

हर सरकारी स्कूल में एक शिक्षक को वार्डन की जिम्मेदारी

» 1 अप्रैल से शुरू होगा नया सत्र, घर-घर दस्तक देंगे शिक्षक

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने और शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने इस बार खास तैयारी की है। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सत्र 2026-27 की कक्षाएं एक अप्रैल से प्रारंभ होंगी। नए सत्र के शुरू होते ही प्रवेशोत्सव भी मनाया जाएगा और विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन कराया जाएगा।डीपीआई के निर्देशों के तहत प्रत्येक कक्षा में एक शिक्षक को वार्डन के रूप में नियुक्त किया जाएगा। शिक्षक वार्डन की जिम्मेदारी होगी कि वे विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति पर नजर रखें और अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क करें। नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक घर-घर जाकर संपर्क अभियान चलाएंगे। इस दौरान वे अभिभावकों को स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों, गणवेश, छात्रवृत्ति और अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी देंगे।

सभी कक्षाओं की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद उनके परिणाम (आठवीं, नौवीं व 11वीं) 23 मार्च को घोषित किए जाएंगे। इन विद्यार्थियों को परिणाम के आधार पर अगली कक्षा में 24 मार्च से 31 मार्च तक प्रवेश दिया जाएगा। दो अप्रैल को शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की बैठक आयोजित कर प्रवेशोत्सव में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। सभी स्कूलों में प्राचार्यों द्वारा मार्च माह तक सभी कक्षाओं की प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। नौवीं, 10वीं और 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों को भी प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा, ताकि उनकी पढ़ाई समय पर शुरू हो सके।

खेल महोत्सव मानवीय संकल्प, आत्मविश्वास और अदम्य साहस का प्रदर्शन : राज्यपाल

राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट खेल महोत्सव का समापन समारोह

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट खेल महोत्सव मानवीय संकल्प, आत्मविश्वास और अदम्य साहस के अद्भुत प्रदर्शन का मंच है। यह आयोजन केवल समारोह भर नहीं है, यह आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समावेशन का उत्सव है। प्रतियोगिता के प्रत्येक प्रतिभागी खिलाड़ी ने अपनी क्षमता, धैर्य और परिश्रम से यह सिद्ध किया है कि सीमाएँ हमारे विचारों में होती हैं, संकल्प के सामने सब समाप्त हो जाती हैं।

राज्यपाल पटेल राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट खेल महोत्सव- 2026 नॉट आउट @100 के समापन कार्यक्रम को पुलिस लाइन स्टेडियम में संबोधित कर रहे थे। प्रतियोगिता का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे न्यास, टास्क इंटरनेशनल, ध्यान-विज्ञान परमार्थ संस्थान एवं विवेकानंद विधिक न्याय केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

राज्यपाल ने कहा कि संवेदनशील प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग कर समाज की सोच में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने खेल और खिलाड़ी का परिवार के मुखिया के रूप में सहयोग और प्रोत्साहन दिया है। राज्यपाल ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी जी के मंत्रीमण्डल में उन्होंने 14 वर्ष कार्य किया है। गुजरात में खेल प्रतियोगिताओं का व्यापक स्तर पर आयोजन मोदी जी ने शुरू कराया था। आज खेलों इंडिया में सारा देश खेल रहा है। उन्होंने खेल और क्रिकेट के प्रति अपनी अभिरूचि को बताते हुए खेल प्रतियोगिता के मुकाबलों को नहीं देख पाने का अफसोस करते हुए बताया कि कार्यक्रम में समय से पूर्व पहुँचने के उनके प्रयास विपरीत मौसम के कारण सफल नहीं हो सके। बावजूद इसके कि वह समापन समारोह में सीधे विमानतल से आयें है। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे के मार्गदर्शन में कार्य की स्मृतियों को बताते हुए कहा कि समाज सेवा के कार्यों में वे उनके प्रेरणा स्त्रोत है।

अधिकार और कर्तव्य

आज का नागरिक अपने अधिकारों को लेकर जितनासजग है, उतना ही अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन दिखाई देता है। हर समस्या के लिए सरकार को कठघरे में खड़ा कर देना हमारी आदत बन चुकी है, लेकिन शायद ही हम यह सोचते हों कि इन समस्याओं के समाधान में हमारी अपनी भूमिका क्या है। क्या सरकार सचमुच हमारी हर कठिनाई का हल कर सकती है, या फिर हम स्वयं जिम्मेदारी से बचने का आसान रास्ता चुन रहे हैं? सरकार व्यवस्थाएं बना सकती है, कानून बना सकती है, योजनाएं लागू कर सकती है, लेकिन समाज को दिशा देने का काम केवल नीतियों से नहीं होता। किसी भी व्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि आम नागरिक उसे कितनी ईमानदारी से अपनाते हैं। इतिहास बताता है कि औपनिवेशिक काल से पहले स्थानीय शासन की मजबूत परंपरा थी। लोग अपने गांव और नगर के प्रबंधन में स्वयं भाग लेते थे। तब अधिकारों से अधिक कर्तव्यों पर जोर था, जिससे सामाजिक अनुशासन और सामूहिक चेतना बनीरहती थी। अंग्रेजी शासन के साथ यह संतुलन बिगड़ गया। शासन और समाज के बीच दूरी बढ़ी और नागरिकों में यह भावना घर करने लगी कि सब कुछ सरकार का काम है। स्वतंत्रता के बाद भी यह सोच पूरी तरह नहीं बदली। संविधान। ने हमें मौलिक अधिकार दिए, जो लोकतंत्र की बुनियाद हैं, लेकिन मौलिक कर्तव्यों को बाद में जोड़ने से समाज में अधिकारों की चेतना तो मजबूत हुई, कर्तव्यों की भावना अपेक्षाकृत कमजोर रह गई। इसका परिणाम हम रोजमर्रा के जीवन में देख सकते हैं। दहेज प्रथा, जातिगत टिप्पणियां, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी, यातायात नियमों की अनदेखी और नागरिक शिष्टाचार का अभाव- ये सब केवल कानून से नहीं रुकते। जब तक समाज स्वयं इन्हें गलत मानकर अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक कोई भी सख्त नियम स्थायी समाधान नहीं दे सकता। सड़क दुर्घटनाओं, गंदगी से फैलने वाली बीमारियों और सामाजिक अपराधों के आंकड़े हमारी सामूहिक लापरवाही की ओर स्पष्ट संकेत करते हैं। राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति भी यही उदासीनता दिखाई देती है। आपदा, महामारी या संकट के समय एकजुट होना, सुरक्षा बलों का सहयोग करना और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। कोरोना महामारी के दौरान जब समाज ने एकजुटता दिखाई, तब बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना संभव हुआ। यह अनुभव हमें बताता है कि सामूहिक चेतना से असंभव भी संभव बन सकता है। क्या हम इस सीख को भूलकर फिर उसी उदासीनता की ओर लौट जाएंगे, या अपने कर्तव्यों को अधिकारों के बराबर महत्व देंगे?

भोपाल- इंदौर में मेट्रो का काम, सोचा समझा या अघोषित दबाव का परिणाम?

सरयू सुत मिश्रा
स्तंभकार

मध्यप्रदेश को मेट्रो स्टेट बनाने के लिए बहुत ढोल पीटे गए मेट्रो का विचार आने से लेकर सैंक्शन, शिलान्यास, लोकार्पण के मौकों को ऐसा बनाया गया जैसे मेट्रो ने भोपाल और इंदौर को स्वर्ग जैसा सुंदर और सुविधाजनक बना दिया है। अब यह सवाल उठाया जा रहा है कि मेट्रो शहर में थोपी गई है। अफसरों ने बिना जनप्रतिनिधियों से चर्चा किये इसे थोप दिया। विधानसभा में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो की सार्थकता पर सवाल खड़े किए। सदन के रिकॉर्ड पर उन्होंने कहा कि मेट्रो के संबंध में एग्रीमेंट पर सबसे पहले उनके हस्ताक्षर थे। मेट्रो की प्लानिंग भोपाल और इंदौर को आसपास के शहरों से जोड़ने की थी। ओरिजिनल कॉन्सेप्ट पर मेट्रो नहीं चल पाई। इसके लिए वे कांग्रेस की 15 महीने की सरकार और अफसरों को जिम्मेदार बता रहे हैं।

कैलाश विजयवर्गीय कद्दावर नेता हैं उनकी साफगोई और स्पष्टता कई बार विवाद भी पैदा करती है, लेकिन हर नेता सत्य बोलने का साहस नहीं कर सकता है। सत्य तो हमेशा कड़वा ही होता है। मंत्री के विचार और उनकी सरकार के मेट्रो को लेकर काम में अंतरविरोध दिखाई पड़ता है। भोपाल और इंदौर में जनसंख्या के घनत्व को नियंत्रित करने के लिए आसपास के शहरों से मेट्रो को जोड़ने के लिए न केवल जरूरत है बल्कि भविष्य में इस दिशा में सरकारों को आगे भी बढ़ना पड़ेगा। नगरीय प्रशासन मंत्री के वक्तव्य से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पहला सवाल कि क्या सरकार के काम पर अफसर हावी हैं? सरकार का पोलिटिकल सिस्टम अफसरों के सामने जनहित के कमिटमेंट निभाने में पीछे रह जाता है। सरकारों की राजनीतिक व्यवस्था मंत्रिमंडल के आधार पर काम करती है। संवैधानिक व्यवस्था धीरे-धीरे सीएमओ केंद्रित हो गई है।

केवल मध्यप्रदेश ही नहीं सभी राज्यों में 'CM का भाषण ही शासन की अवधारणा' मजबूत होती जा रही है। अफसर इसी का लाभ उठाते हैं। विभागीय मंत्री कोई भी प्रस्ताव प्रस्तुत करें अंतर विभागीय मामलों में अंतिम निर्णय सीएम के लेवल पर होता है। डेमोक्रेसी में यह गलत भी नहीं है। कोई भी विभागीय मंत्री अपने कार्य क्षेत्र और अधिकारों के मुताबिक काम करता है लेकिन मंत्रिमंडल सामूहिक निर्णय पर काम करता है।

अगर मेट्रो की परियोजना पर पहले प्लानिंग को छोड़ कर बाद में उसको बदला गया है तो ऐसा तो संभव ही नहीं है कि ऐसा केवल अधिकारियों के लेवल पर ही कर दिया होगा। बिना कैबिनेट, बिना ष्टरू के ऐसे निर्णय अगर अफसर ले रहे हैं तो फिर तो लोकतांत्रिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो जाएगा?

जो भी सरकार होती है उसे निर्णय लेने की संप्रभुता होती है अगर कांग्रेस की सरकार के किसी निर्णय में बदलाव किया है तो फिर यह उनके अधिकार क्षेत्र का विषय है। यह बात भरोसे योग्य नहीं लगती है कि 15 महीने में मेट्रो की संरचना बदली गई और फिर वह उसी अनुसार बनकर चलने लगी। मेट्रो का काम तो कई सालों से चल रहा है।

मेट्रो के लोकार्पण के समय कांग्रेस और बीजेपी के बीच में श्रेय का राजनीतिक वाकयुद्ध लंबे समय तक चलता रहा कि मेट्रो का क्रेडिट उन्हें मिलना चाहिए। कांग्रेस दावा कर रही थी कि मेट्रो के निर्माण में उनकी भूमिका है। अब तो नगरीय प्रशासन मंत्री ने भी मान लिया है कि कांग्रेस की सरकार में ही मेट्रो के मूल प्लान में बदलाव किया गया और जनप्रतिनिधियों को भरोसे में लिए बिना मेट्रो थोप दी गई

मध्यप्रदेश मेट्रो स्टेट में शामिल हो गया है। हालांकि भोपाल और इंदौर में मेट्रो का लाभ बहुत सीमित क्षेत्र और लोगों को मिल रहा है। एक सवाल यह भी है कि जनहित के लिए जरूरी और सरकारी निर्णय में तालमेल नहीं होता। क्या विकास के कामों का निर्धारण बिना जनप्रतिनिधियों के किसी अघोषित दबाव में किया जाता है? क्योंकि अफसर को ही इंप्लीमेंट करना है तो उनका नाम तो हर हालत में जुड़ेगा लेकिन हर गलती के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहरा कर बचा नहीं जा सकता।

अगर भोपाल और इंदौर का मास्टर प्लान अब तक नहीं बन पाया है तो क्या इसके लिए केवल अफसर जिम्मेदार हैं? अगर वे ही जिम्मेदार साबित होते हैं तो यह सोचने पर विवश होना पड़ेगा कि सरकार की राजनीतिक व्यवस्था का क्या और कितना उपयोग बचा है?

मेट्रोपॉलिटन रीजन की अवधारणा तो वर्तमान में ही आगे बढ़ रही है। इस पर जनप्रतिनिधियों को जरूर विश्वास में लिया गया होगा। सरकारी काम और अफसर की भूमिका तो हमेशा संदेह के दायरे में होती है। जिस तरह के अनुभव सामने आते हैं, मेट्रो प्रोजेक्ट में ही सड़क को खोद कर इसकी प्लानिंग की गड़बड़ियों को छिपाने की कोशिश की गई है।

शहर में जो भी निर्माण हो रहे हैं उससे कई बार सुविधा से ज्यादा ट्रैफिक के लिए असुविधा निर्मित होती है। राजधानी का जो सबसे बड़ा तत्त फ्लाईओवर बना है इसकी प्लानिंग भी असुविधा पैदा कर रही है। मंत्रालय से 10 नंबर जाते समय और 10 नंबर से नर्मदापुरम रोड जाते समय यह असुविधा महसूस होती है।

राजा विक्रमादित्य के साहस, बुद्धिमत्ता और न्याय की कई प्रसिद्ध लोक कथाएं हैं। विक्रम बेताल भी उनमें एक है। कथा में बेताल विक्रम से सवाल पूछता है। सवालों का सही उत्तर न देने पर विक्रमादित्य की मृत्यु हो सकती है और अगर वे सही उत्तर देते हैं तो बेताल वापस चला जाता है। विक्रम हर बार सही उत्तर देते थे और बेताल चला जाता था। राजा विक्रमादित्य भी शासन चलाते थे। सही उत्तर उनकी न्याय प्रियता थी। अब की शासन व्यवस्था ना सही उत्तर देना जानती है ना उत्तरदायित्व लेना।

यह समझना मुश्किल है कि जो मेट्रो चल चुकी है अब उसकी प्लानिंग और थोपने के लिए अफसर को जिम्मेदार बताने से क्या लाभ होगा? अगर यह सही नहीं था तो फिर सेकंड फेज की बातें क्यों चल रही हैं ?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

27 फरवरी पुण्यतिथि पर विशेष

ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की संकल्पना को साकार करने वाले राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख

सुरेन्द्र शर्मा
प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा मप्र

मेरा जीवन अपने लिए नहीं अपनों के लिए है अपने वे हैं जो दुःखी शोषित और पीड़ित हैं। नानाजी देशमुख के यह वाक्य केवल उनके ही जीवन का ध्येय वाक्य नहीं था बल्कि उनके पदचिन्हों पर चलकर हजारों लोगों ने मानवता की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया जिसका परिणाम आज चित्रकूट गोंडा और अन्य जिलों में देखा जा सकता है।। नानाजी देशमुख का नाम भारतीय सार्वजनिक जीवन में एक ऐसे कर्मयोगी के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने राजनीति को समाजसेवा का माध्यम बनाया और बाद में सक्रिय राजनीति छोड़कर पूर्णकालिक ग्रामोदय के कार्य में स्वयं को समर्पित कर दिया। उनका जीवन सादगी, राष्ट्रभक्ति, संगठन कौशल और ग्राम विकास की प्रयोगधर्मिता का अद्भुत संगम था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक और चिंतक थे।

नानाजी देशमुख का जन्म 11 अक्टूबर 1916 को महाराष्ट्र के परभणी जिले के कडोली गांव में हुआ। उनका वास्तविक नाम चंडिकादास अमृतराव देशमुख था। बाल्यकाल से ही वे परिश्रमी, आत्मनिर्भर और राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत थे। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने शिक्षा प्राप्त की और युवावस्था में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। संघ के स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने संगठनात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उत्तर प्रदेश में संघ के विस्तार में विशेष योगदान दिया। नानाजी देशमुख भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए निरंतर परिश्रम किया। वे उत्तर प्रदेश में जनसंघ के प्रमुख रणनीतिकार माने जाते थे। उनकी कुशल रणनीति के कारण 1967 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को कड़ी चुनौती मिली और कई राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें बनीं।

1975 में जब देश में आपातकाल लगाया गया, तब नानाजी देशमुख लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय रहे। उन्होंने भूमिगत रहकर विरोध आंदोलन को संगठित किया। आपातकाल के विरुद्ध जनांदोलन में उनका योगदान महत्वपूर्ण था। बाद में वे जनता पार्टी के गठन में भी सक्रिय रहे और 1977 में लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। सक्रिय राजनीति में ऊँचे पदों तक पहुँचने के बावजूद नानाजी देशमुख ने 60 वर्ष की आयु में राजनीति से संन्यास लेने का निर्णय लिया। उनका मानना था कि सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण समाज का पुनर्निर्माण है। उन्होंने स्वयं को ग्रामीण विकास के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। नानाजी देशमुख ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को व्यवहार में उतारने का प्रयास किया। उनके अनुसार विकास का केंद्र गांव होना चाहिए, क्योंकि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। इसी उद्देश्य से उन्होंने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट क्षेत्र को अपने कार्यक्षेत्र के रूप में चुना।

नानाजी देशमुख और भारतीय जनसंघ: नानाजी देशमुख का नाम भारतीय जनसंघ के प्रमुख संगठनकर्ताओं और रणनीतिकारों में अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। वे उन नेताओं में थे जिन्होंने जनसंघ को जमीनी स्तर पर मजबूत किया और उसे एक वैकल्पिक राष्ट्रीय राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय जनसंघ की स्थापना 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में हुई थी। नानाजी देशमुख प्रारंभ से ही इस दल से जुड़े और संगठन विस्तार का दायित्व संभाला। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे थे, इसलिए संगठन निर्माण और कार्यकर्ता तैयार करने में उनकी विशेष दक्षता थी।

उत्तर प्रदेश में जनसंघ को मजबूत बनाने का श्रेय मुख्यतः नानाजी देशमुख को जाता है। उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर कार्यकर्ताओं का नेटवर्क खड़ा किया। उनकी रणनीति थी कि पहले मजबूत संगठन बनाया जाए, फिर चुनावी सफलता स्वतः मिलेगी। नानाजी देशमुख का राजनीतिक दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक था। वे मानते थे कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष और राष्ट्र निर्माण का साधन है।1967 के विधानसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को कड़ी चुनौती देने में उनकी रणनीति महत्वपूर्ण रही। उस समय गैर-कांग्रेसी दलों को एकजुट करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परिणामस्वरूप कई राज्यों में संयुक्त विधायक दल की सरकारें बनीं। वे पर्दे के पीछे रहकर संगठन को मजबूत करने में विश्वास रखते थे। व्यक्तिगत प्रचार से दूर रहकर उन्होंने पार्टी के लिए कार्यकर्ता-आधारित संरचना विकसित की। नानाजी देशमुख पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानव दर्शन ' से अत्यंत प्रभावित थे। जनसंघ की नीतियों में इस विचारधारा को स्थापित करने में उनका योगदान रहा वे मानते थे कि भारतीय राजनीति को पश्चिमी विचारधाराओं की नकल करने के बजाय भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित होना चाहिए। जनसंघ के कार्यक्रमों और नीतियों में राष्ट्रीयता, स्वदेशी और सामाजिक समरसता पर जोर देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

1975 में जब देश में आपातकाल लागू हुआ, तब जनसंघ के अनेक नेता गिरफ्तार किए गए। नानाजी देशमुख ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। वे भूमिगत रहकर आंदोलन को संगठित करते रहे। आपातकाल के विरोध में जनसंघ और अन्य विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने के प्रयासों में भी उनका योगदान रहा। 1977 में जनता पार्टी के गठन में जनसंघ का विलय हुआ और उस ऐतिहासिक परिवर्तन में नानाजी देशमुख की रणनीतिक भूमिका मानी जाती है। जनसंघ और बाद में जनता पार्टी में महत्वपूर्ण स्थान रखने के बावजूद नानाजी देशमुख ने 60 वर्ष की आयु में सक्रिय राजनीति छोड़ दी। उनका मानना था कि नए नेतृत्व को आगे आना चाहिए और वे स्वयं समाजसेवा के कार्यों में लग गए। यह निर्णय उनकी त्यागमयी प्रवृत्ति और आदर्शवादी सोच का प्रमाण था। उन्होंने सिद्ध किया कि उनके लिए पद या सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्र और समाज की सेवा है। नानाजी देशमुख और भारतीय जनसंघ का संबंध केवल एक नेता और दल का नहीं था, बल्कि वह एक वैचारिक और संगठनात्मक साझेदारी थी। उन्होंने जनसंघ को जमीनी स्तर पर मजबूत किया, कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया और वैकल्पिक राजनीति की नींव को सुदृढ़ बनाया। उनका योगदान भारतीय राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जनसंघ की संगठनात्मक शक्ति और वैचारिक स्पष्टता के पीछे नानाजी देशमुख जैसे समर्पित नेताओं का अथक परिश्रम था।

वर्ष 2019 में नानाजी को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया । यह सम्मान उनके द्वारा किए गए आजीवन समाजसेवा,ग्रामीण विकास,राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। नानाजी देशमुख भारत माता के सच्चे सपूत थे जिन्होंने भारत माता की सेवा में जीवन समर्पित कर दिया मृत्यु के पश्चात भी उनकी इच्छानुसार उनका देहदान दिल्ली एम्स को किया गया।

वह सच्चे अर्थों में भारत रत्न थे भारत माता के ऐसे रत्न जिसकी चमक आने वाली कई शताब्दी की पीढ़ियों को राह दिखाती रहेगी।।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

लाइफ स्टाइल

ज्यादा सोना सेहत के लिए सही नहीं, बीमारी का लक्षण हो सकता है ओवर स्लीपिंग

बहुत ज्यादा नींद या लंबे समय तक सोना ओवरस्लीपिंग कहलाता है। इसमें व्यक्ति को रात में पर्याप्त 7 से 9 घंटे सोने के बावजूद दिन में भी नींद आती है। वह हर समय थका हुआ, चिड़चिड़ापन और बेचैनी महसूस करता है। ओवरस्लीपिंग काम या पढ़ाई को प्रभावित कर सकती है।

हेल्दी रहने के लिए सभी लोगों को रोजाना 8 से 9 घंटे की नींद लेनी चाहिए। उससे ज्यादा सोना सेहत के लिए फायदेमंद नहीं होता। जरूरत से ज्यादा सोने से सिरदर्द और थकान महसूस होती है।

ओवरस्लीपिंग का बुरा प्रभाव फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर पड़ता है। अच्छी सेहत के लिए संतुलित और नियमित नींद जरूरी है। कई लोग ऐसे हैं जो रात में 9-10 घंटे सोते हैं, फिर भी दिन में झपकी लेते रहते हैं। ऐसे लोग ओवरस्लीपिंग का शिकार होते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, वयस्कों के लिए रोजाना 7-9 घंटे की नींद आदर्श है। लगातार 9 घंटे से ज्यादा सोना ओवरस्लीपिंग कहलाता है। ज्यादा सोना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ओवरस्लीपिंग का सेहत पर असर हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, ज्यादा नींद मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। आमतौर पर अच्छी सेहत के लिए छह से नौ घंटे की नींद पर्याप्त मानी जाती है। जो लोग रात में नौ घंटे या उससे अधिक सोते हैं, उनमें छह से नौ घंटे सोने वाले लोगों की तुलना में सोचने, सीखने, याद रखने और फोकस करने की क्षमता कम पाई जाती है। ऐसे लोगों में तनाव और डिप्रेशन का शिकार होने का रिस्क भी ज्यादा रहता है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने ज्यादा सोने से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी दी है। इसके अनुसार ज्यादा सोने से शरीर का मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है, जिससे वजन बढ़ने लगता है, जो आगे चलकर मोटापे में तब्दील हो जाता है। मोटापे के कारण कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर और टाइप 2 डायबिटीज होने का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रेन का फंक्शन प्रभावित होता है, जिससे सोचने-समझने की क्षमता कमजोर होती है, चिंता, चिड़चिड़ापन और बेचैनी महसूस होती है। ज्यादा सोने से दिनभर थकान महसूस होती है और एनर्जी लेवल कम हो जाता है। कई लोगों को सिरदर्द की समस्या भी होती है। ओवरस्लीपिंग बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

सुविचार

जो लोग चेहरे पर नफरत करते हैं उन्हें बर्दाश्त किया जा सकता है, लेकिन जो लोग अपने होने का दिखावा करते हैं। वे अधिक खतरनाक होते हैं।

-अज्ञात

निशाना

खाली-खाली दीवारें थीं..!

कान्ति शुक्ला 'उर्मि '

अच्छे दिन हैं आने वाले , ये तुमने सरकार कहा।
सूने सहमे गुलशन को भी दिलकश और गुलज़ार कहा।
गए काफ़िले अब आँधी के धूल ग़ुबार बचा बाक़ी
लुटे पिटे सूखे चेहरों को आखिर क्यों गुलनार कहा ।
मिला हाथ से हाथ चलें जो अलग नहीं हो सकते हैं
कैसी परख तुम्हारी उनको रस्ते की दीवार कहा ।
जितना दिल चाहे परखो तुम जब्त बहुत है सहने का
गैर जरूरी सितम सहो पर यकीं करो- हर बार कहा ।
खाली -खालीं दीवारें थीं न चूल्हा न बरतन थे
फिर भी हिम्मत देखो अपनी उसको भी घर-बार कहा।

यूटिलिटी

गूगल और सरकार की साझेदारी, वेरिफाइड आधार केंद्र की इंटरनेट पर मिलेगी जानकारी

अपने घर के पास वाले वेरिफाइड आधार केंद्र की जानकारी पाना अब बहुत आसान होने वाला है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (UIDAI) और गूगल के बीच एक पार्टनरशिप हुई है। इस पार्टनरशिप के तहत गूगल मैप्स में एक ऐसा फीचर आएगा, जिससे भारत में रहने वाले लोग गूगल मैप्स के जरिए ऑथराइज्ड आधार सेंटर का पता लगा पाएंगे। UIDAI और Googe के बीच हुई इस साझेदारी का उद्देश्य लोगों को आसानी से जरूरी पहचान सेवाओं तक पहुंचाना है। लोकेशन के साथ-साथ आधार केंद्र पर उपलब्ध सर्विस की जानकारी भी गूगल मैप्स से मिल जाएगी। इसे आगे आने वाले महीनों में लॉन्च किया जाएगा।

गूगल और UIDAI की साझेदारी के कारण लोगों के लिए ऑथराइज्ड यानी अधिकृत आधार केंद्र तक पहुंचना आसान हो जाएगा। देश भर के सभी वेरिफाइड आधार सेंटर जल्द Google Maps पर उपलब्ध होंगे। गूगल मैप्स के जरिए कोई भी देख पाएगा कि उसके घर के पास कहां अधिकृत आधार सेंटर है। आधार सेंटर की लोकेशन के अलावा गूगल मैप्स पर उसकी उन्य जानकारी भी होगी। वहां कौन-कौन सी सेवाएं जैसे एडल्ट एनरोलमेंट, चाइल्ड एनरोलमेंट या सिर्फ अपडेट उपलब्ध होंगी, यह जानकारी भी गूगल मैप्स के जरिए मिलेगी। इतना ही नहीं, दिव्यांगों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, पार्किंग की उपलब्धता और ऑपरेटिंग घंटे जैसी जानकारी भी पा सकेंगे। गूगल मैप्स पर मिलने वाली आधार से जुड़ी इस जानकारी के लिए देश के 60 हजार से ज्यादा सेंटर होंगे, जिनमें आधार सेवा केंद्र भी शामिल होंगे। इससे यूजर्स को सही और नजदीकी आधार सेंटर तक पहुंचने में काफी मदद मिलेगी। UIDAI के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर भुवनेश कुमार का कहना है कि यह पहल आधार धारकों के लिए एक्सेस को आसान बनाने और सर्विस डिलीवरी में ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने के किए जाने वाले बड़े प्रयासों का हिस्सा है। बता दें कि UIDAI सेंटर की जानकारी को मैनेज करने और पब्लिक का फीडबैक जानने के लिए गूगल बिजनेस प्रोफाइल टूल्स को इंटीग्रेट करने की योजना भी है। साथ ही, पार्टनर्स यूजर्स को सीधे गूगल के जरिए अपॉइंटमेंट बुक करने की सुविधा देने पर भी काम कर रहे हैं। अगर यह पहल सफलतापूर्वक हो गई तो आधार सर्विस चाहने वाले लोगों के लिए सर्च में आने वाली दिक्कतों को काफी कम किया जा सकता है।

अजब - गजब

मुंह पर प्लास्टिक लपेट खाना चबा रहे लोग वजन घटाने का खौफनाक ट्रेंड वायरल

वजन घटाने और स्लिम दिखने की चाहत में इंसान किस हद तक जा सकता है, इसका एक खौफनाक उदाहरण हाल ही में सामने आया है। चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इन दिनों एक बेहद अजीब और खतरनाक 'ईटिंग हैक' वायरल हो रहा है, जिसे लोग 'माउथ कंडोम' (Mouth Condom) का नाम दे रहे हैं। इस ट्रेंड के तहत युवा अपने पूरे मुंह और होठों पर क्लींग फिल्म या प्लास्टिक रैप लपेट लेते हैं और फिर उसके ऊपर से खाना चबाने का नाटक करते हैं। इस सनक के पीछे का तर्क यह है कि वे खाने के स्वाद का मजा तो ले सकते हैं, लेकिन एक भी कैलोरी उनके शरीर के अंदर नहीं जा पाएगी. इस विचित्र प्रवृत्ति का आधार काफी सीधा लेकिन डरावना है। प्लास्टिक रैप एक बाधा के रूप में कार्य करता है जो भोजन को सीधे लार या पाचन तंत्र के संपर्क में आने से रोकता है।

लोग खाने को जोर-जोर से चबाते हैं और फिर उसे बाहर निकाल कर फेंक देते हैं। उनका दावा है कि इससे दिमाग को यह भ्रम होता है कि शरीर को पोषण मिल रहा है, जिससे भूख शांत महसूस होती है। हालांकि, मेडिकल एक्सपर्ट्स इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर रहे हैं और इसे एक बड़े हेल्थ प्रॉब्लम की आहट मान रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह केवल एक वजन घटाने की तरकीब नहीं है, बल्कि एक गंभीर 'ईटिंग डिसऑर्डर' (जैसे बुलिमिया और एनोरेक्सिया) को बढ़ावा देने वाला तरीका है। जब आप खाने को चबाकर थूकते हैं, तो शरीर को ताकत नहीं मिलती, जिससे समय के साथ खाने की लालसा (Cravings) और ज्यादा बढ़ जाती है। यह दिमाग को इस तरह से 'रीवायर' कर देता है कि उसे बिना कैलोरी के केवल स्वाद और बनावट से आनंद मिलने लगता है, जो मेंटल हेल्थ के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

एक्सपर्ट्स ने आगे कहा कि इस ट्रेंड के जोखिम भी कम नहीं हैं। प्लास्टिक रैप को लगातार दांतों से चबाने से भारी मात्रा में माइक्रोप्लास्टिक्स शरीर के अंदर जाने का खतरा रहता है। चबाने के दौरान प्लास्टिक के सूक्ष्म कण लार के साथ मिल सकते हैं और अनजाने में श्वसन या पाचन तंत्र में पहुंच सकते हैं, जिससे कैंसर और हार्मोनल असंतुलन जैसी गंभीर प्रॉब्लम्स हो सकते हैं। भले ही प्लास्टिक रैप के साथ खाना चबाना एक छोटे से प्रयोग के रूप में शुरू हुआ हो, लेकिन अब यह लाखों व्यूज बटोरने वाला एक पूर्ण इंटरनेट ट्रेंड बन चुका है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर तीखी बहस छिड़ी हुई है। जहां कुछ लोग इसे कैलोरी कंट्रोल करने का स्मार्ट तरीका बता रहे हैं, वहीं कई लोग इसे युवाओं की जान से खिलवाड़ मान रहे हैं। इससे पहले भी 'जबड़े लॉक करने वाली डिवाइस' और ऑनलाइन बिकने वाले 'फैट-डिजॉल्विंग इंजेक्शन' जैसे जानलेवा ट्रेंड्स ने दुनिया को हैरान किया था।

जंगल में छिपा है मध्यकालीन मंदिर, संरक्षण के अभाव में हो रहा जर्जर

चिंताजनक स्थिति

- मंदिर का ऊपरी भाग हो चुका है क्षतिग्रस्त
- कई पत्थर ढीले होकर गिरने की स्थिति में है
- स्थल पर कोई सुरक्षा घेरा या सूचना पट्टी नहीं

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

घने जंगल के बीच एक प्राचीन पत्थर निर्मित मंदिर का अवशेष मिला है, जो वर्तमान में संरक्षण के अभाव में धीरे-धीरे जर्जर होता जा रहा है। संरचना की शैली, पत्थरों की जड़ाई तथा दीवारों पर उकेरी गई मूर्तिकला से संकेत मिलता है कि यह मंदिर मध्यकालीन काल (संभवतः 9वीं-12वीं शताब्दी) का हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार मंदिर की नक्काशी और मूर्ति शिल्प बुंदेलखंड क्षेत्र की स्थापत्य परंपरा से मिलती-जुलती प्रतीत होती है। क्षेत्रीय लोगों द्वारा इसे खजुराहो मंदिर समूह से जुड़ा बताया जा रहा है। खजुराहो शैली के मंदिरों की विशेषता ऊँचा शिखर, सूक्ष्म नक्काशी और अलंकरणयुक्त देव प्रतिमाएं हैं। स्थल पर मौजूद मूर्तियों में भी इसी प्रकार की कलात्मक झलक दिखाई देती है। हालांकि, बिना किसी शिलालेख, अभिलेखीय प्रमाण या आधिकारिक पुरातात्विक सर्वेक्षण के इसे किसी विशिष्ट काल या मंदिर समूह से जोड़ना जल्दबाजी होगी।

ध्यान नहीं दिया तो ये ऐतिहासिक धरोहर पूरी तरह हो जाएगी नष्ट

वन क्षेत्र में होने के कारण प्राकृतिक क्षरण और अतिक्रमण का खतरा बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि यदि यह स्थल अभी तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या राज्य पुरातत्व विभाग के संरक्षण में दर्ज नहीं है, तो प्रशासन तत्काल सर्वेक्षण कर इसे संरक्षित स्मारक घोषित करें। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो यह ऐतिहासिक धरोहर पूरी तरह नष्ट हो सकती है। उन्होंने जिला प्रशासन, संस्कृति विभाग और पुरातत्व विभाग से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए इस विरासत को सुरक्षित रखा जा सके।

एक-दूसरे पर दर्ज कराई एफआईआर

नपाध्यक्ष के सोशल मीडिया हैंडलर और स्वच्छता निरीक्षक के बीच फाइल पर विवाद

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका अध्यक्ष के सोशल मीडिया हैंडलर कपिल चौहान और स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी के बीच एक ठेकेदार की फाइलों को लेकर विवाद हो गया। फाइल साइन न करने और लौटाने की मांग पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर धमकी, गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगाते हुए कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। घटना के दो ऑडियो भी सामने आए हैं, जिसमें कपिल के गुस्से भरे लहजे में गालियां और धमकियां साफ सुनाई दे रही हैं। स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि एक ठेकेदार की गाड़ियों से जुड़ी फाइलें उनके पास थीं, जिन्हें साइन कर लौटाना था। कपिल चौहान, जो न तो नगर पालिका के कर्मचारी हैं और न ही जनप्रतिनिधि, लेकिन अध्यक्ष के साथ अक्सर दिखते हैं। उन्होंने फोन पर तिवारी से फाइल मांगी और साइन न करने को कहा। तिवारी ने कॉल न उठाने पर कपिल ने गालियां दीं और फालतू बात मत करना।÷ कपिल ने तिवारी पर पैसे मांगने के आरोप भी लगाए। तिवारी ने बुधवार रात को कपिल के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने की FIR दर्ज कराई। कपिल चौहान ने अपनी एफआईआर में कहा कि बुधवार शाम 4 बजे बस स्टैंड पर तिवारी ने उन पर मारपीट की, गाली-गलौज किया और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने रात 1:30 बजे तिवारी के खिलाफ केस दर्ज कराया। कोतवाली थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर ने पुष्टि की कि तिवारी ने कपिल पर शासकीय कार्य में बाधा और कपिल ने तिवारी पर गाली-गलौज, मारपीट व धमकी के आरोप लगाए हैं।

न्यूज विंडो

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई दुकानों से 10 नमूने लिए, 27 की स्पॉट जांच

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में मिठाई, खोवा और दुग्ध उत्पाद विक्रेताओं पर सघन निरीक्षण अभियान चलाया। इटारसी के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण में गगन स्वीट्स की निर्माण यूनिट, बीकानेर स्वीट्स, विमल स्वीट्स और किशोर रेस्टोरेंट के स्थलों पर जाकर मावा कतली, बर्फी, केसर बर्फी, मलाई बर्फी, राजस्थानी बर्फी, मिल्क केक, मगध लड्डू, मावा पेड़ा, शाही मिल्क केक और पेड़ा सहित कुल 10 नमूने संग्रहित किए गए।इसके अलावा चलित खाद्य प्रयोगशाला से 27 नमूनों की मौके पर स्पॉट जांच भी हुई। सभी व्यापारियों को स्वच्छता और खाद्य मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। नमूनों को राज्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, रिपोर्ट आने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी।विभाग मावा, मिठाई और दुग्ध उत्पादों के निर्माण, परिवहन व भंडारण पर नजर रखे हुए है, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य मिले। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार, जितेंद्र सिंह राणा और अन्य अमला मौजूद रहा।

एआई तकनीक और 360 डिग्री दृष्टि अभियान के सीसीटीवी से आरोपी गिरफ्तार

गंजबासौदा। थाना बासौदा देहात पुलिस ने चूड़ी मोहल्ला स्थित हनुमान मंदिर में हुई चोरी की घटना का मात्र 24 घंटे में खुलासा कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई एआई तकनीक एवं 360 डिग्री दृष्टि अभियान के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की मदद से की गई। पुलिस ने चोरी गया करीब एक लाख बीस हजार का मशरूका बरामद कर लिया है। पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के निर्देशन तथा एसडीओपी शिखा भलावी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित कर प्रकरण की जांच शुरू की गई। 24 फरवरी को मंदिर से चांदी का मुकुट और चांदी का छत्र चोरी होने की रिपोर्ट पर थाना देहात में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने कस्बा क्षेत्र के लगभग 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। आरोपी द्वारा मास्क लगाने के बावजूद्ध तकनीक की सहायता से संदिग्ध का स्केच तैयार किया गया। तकनीकी विश्लेषण और कैमरों के फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान विनय दुबे निवासी वार्ड क्रमांक 17 गणेशपुरा, हाल निवासी कृष्णा कॉलोनी भानपुर, भोपाल के रूप में हुई। पुलिस टीम ने भोपाल पहुंचकर संदेही से पूछताछ की, जिसमें उसने मंदिर से चांदी का मुकुट और छत्र चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी ने चोरी का माल अपने घर में छिपाकर रखा था, जिसे विधिवत जब्त कर लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपी से चांदी का मुकुट , चांदी का छत्र जब्त किया है।

विधायक उमाकांत शर्मा ने विधानसभा में लगाया प्रश्न, जवाब में स्वास्थ्य विभाग ने दी जानकारी

सिरोंज अस्पताल में मिलेगी डायलिसिस की सुविधा, मशीन खरीदी... अब स्टाफ का इंतजार

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

लंबे इंतजार के बाद शहर के राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय में डायलिसिस मशीन आने वाली है। विधायक उमाकांत शर्मा ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न लगाकर जानकारी मांगी थी कि सिरोंज के राजीव गांधी स्मृति जन चिकित्सालय में डायलिसिस मशीन संबंधी प्रक्रिया कब तक पूरी हो जाएगी। इसके जवाब स्वास्थ्य विभाग ने दिया है। विधानसभा में दी गई जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नेशनल डायलिसिस प्रोग्राम के अंतर्गत किडनी रोग से ग्रसित मरीजों की असुविधा को ध्यान में रखते हुए सिविल अस्पताल सिरोंज में एक नई डायलिसिस इकाई की स्वीकृति प्रदान की गई है। केंद्रीकृत क्रय प्रणाली के माध्यम से मशीनों को खरीदने के आदेश भी 3 फरवरी को जारी कर दिए गए हैं और डायलिसिस इकाई के संचालन के लिए सेवा प्रदाता एपेक्स किडनी केयर प्रायवेट लिमिटेड मुंबई को कार्य आदेश भी जारी किए जा चुके है। विभागीय जानकारी के अनुसार मशीनें खरीदी जा चुकी हैं लेकिन प्रशिक्षित मानव संसाधन यानि स्टाफ की पदस्थापना अभी नहीं हो सकी है। इसकी प्रक्रिया चल रही है।

मरीजों की जान खर्च और समय सब बचेगा

डायलिसिस की सुविधा सिरोंज में मिलने से मरीजों की जान, खर्च और समय सब बचेगा। कुछ महीनों पहले तक अपनी बेटी सिद्धी शर्मा का सप्ताह में दो बार डायलिसिस करवाने वाले श्रीकांत शर्मा ने इस पहल का स्वागत किया है। उन्होंने बताया कि मैं सप्ताह में दो बार बेटी को भोपाल लेकर जाता था। हर महीने करीब 1 लाख रूपए का खर्च पड़ता था। खर्च के बीच ही कई दिन टूट जाते थे। भगवान की कृपा, समाज के सहयोग और मेरी पत्नी की किडनी से सिद्धी की जान बच गई। अभी भी कई लोग अपने परिजन का डायलिसिस करवाने के लिए भोपाल जाते हैं। उनके जाने-आने में ही 5 से 6 घंटे लगते हैं। सिरोंज में सुविधा मिलने से लटेरी और आसपास के गांव के मरीजों को बड़ा फायदा होगा। सबसे बड़ी बात समय पर इलाज मिलने से मरीजों की जान बच जाएगी।

6 महीने से ताले में बंद है सोनोग्राफी मशीन

विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयासों से सिरोंज अस्पताल को सोनोग्राफी मशीन की सौगात भी कुछ महीनों पहले मिली थी। जब मशीन आ गई तो लोगों को उम्मीद बंधी थी कि उन्हें अब विदिशा और भोपाल के चक्कर नहीं काटना पड़ेगो। उनकी यह उम्मीद 6 महीने बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। दरअसल यह सोनोग्राफी मशीन 6 महीने से ज्यादा समय से ताले में ही बंद है। इसकी वजह है सोनोग्राफी मशीन के लिए जरूरी स्टाफ का नहीं होना। बीएमओ डॉक्टर नीरज पंथी ने बताया कि बिना स्टाफ के सोनोग्राफी मशीन का संचालन नहीं हो सका। हमने इसके लिए पत्र लिखा है। जैसे ही स्टाफ उपलब्ध होगा सोनोग्राफी सुविधा भी शुरू हो जाएगी।

सेवा-धर्म, त्याग की कठोर साधना दिखावा नहीं: श्रीमहंत राम मनोहर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

चित्रकूट की पावन धरती पर आयोजित नवदिवसीय भरत-चरित्र कथा के आठवें दिवस व्यास पीठ से नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को भरत-प्रेम और सेवा-धर्म का मार्मिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सेवा-धर्म भावुकता या प्रदर्शन का विषय नहीं, बल्कि त्याग और समर्पण की कठोर साधना है। जो सेवा का मार्ग अपनाता है, उसे अपने सुख, सुविधा और स्वार्थ का परित्याग करना पड़ता है। सेवा अधिकार नहीं, केवल समर्पण है। स्वयंपाकी परमहंस जी महाराज के आश्रम में भगवान सीताराम जी की प्राण-प्रतिष्ठा एवं पंचकुंडीय महायज्ञ के उपलक्ष्य में सनकादिक आश्रम में यह कथा आयोजित की जा रही है। कथा व्यास का पूजन पंडित परमानंद शास्त्री (भोपाल) द्वारा संपन्न हुआ, जिसमें यजमान नागेंद्र उपाध्याय एवं ममता उपाध्याय उपस्थित रहे। महाराजश्री ने रामकथा को 'मंदाकिनी' की संज्ञा देते हुए कहा कि जैसे मंदाकिनी में स्नान से शरीर पवित्र होता है,

वैसे ही रामकथा में मन को डुबोने से अंतःकरण शुद्ध होता है। उन्होंने कहा कि रामकथा केवल श्रवण तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन के आचरण में उतरे। भरत-भाव की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि भरत जी ने राजसत्ता का त्याग कर सेवा को अपनाया और प्रभु-प्रेम को दायित्व के रूप में जिया। उनका प्रेम इतना विराट है कि स्वयं प्रभु श्रीराम भी उनके स्मरण मात्र से भाव-विभोर हो उठते हैं। महाराजश्री ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे भरत-चरित्र को जीवन में उतारकर विनम्र नेतृत्व और निस्वार्थ सेवा की भावना को अपनाएं।

रेत विवाद में अधिवक्ता पर हमले के आरोपी फरार

करणी सेना ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर कहा-आरोपियों को जल्द करें गिरफ्तार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट गेट पर रेत विवाद से जुड़े झगड़े के फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कलेक्टर और जिला खनिज अधिकारी के नाम ज्ञापन एडीएम राजीव रंजन पांडे को सौंपा गया।

प्रदर्शन से पहले कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया।करणी सेना जिला अध्यक्ष विकास पवार और नगर अध्यक्ष शशिकांत ठाकुर के नेतृत्व में कार्यकर्ता पीपल चौक से रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर फरार आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। गौरतलब है कि 10 फरवरी को वरदान गार्डन के पास रेत कारोबार से जुड़े लोगों ने अधिवक्ता मनु प्रताप परिहार पर हमला किया था। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिनमें से छह को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। करणी सेना और पीड़ित पक्ष लगातार इनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन को देखते प्रशासन ने कलेक्ट्रेट गेट पर भारी बैरिकेडिंग और पुलिस बल तैनात किया। कोतवाली, देहात, डोलरिया और पथरौटा थाने से जवान बुलाए गए। सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह, एसडीओपी जितेंद्र पाठक, सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर डटे रहे और स्थिति पर नजर बनाए रखी।

मेट्रो एंकर | **जल समस्या के समाधान के लिए हुई समीक्षा बैठक**

जलजीवन मिशन के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करें: एसडीएम

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

गर्मी शुरू होने से पहले ग्रामीण इलाकों में पेयजल व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा गुरूवार को की गई। दोपहर में जनपद पंचायत में विधायक प्रतिनिधि हमीरसिंह यादव एवं एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा की मौजूदगी में यह बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ग्राम पंचायतों के सरपंचों और सचिवों को बुलाया गया। इस दौरान अधिकांष पंचायतों ने जलजीवन मिशन के अधूरे कार्यों पर नाराजगी जताते हुए काम जल्द पूरा करने की बात कही।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरियाब सिंह कुर्मी ने बताया कि मेरे गांव गरेंठा में ही अनुसूचित जाति की बस्ती में पेयजल संकट है। इसे जल्द ही खत्म करना जरूरी है। ग्राम पंचायत करईखेड़ा के सरपंच बृजमोहन धाकड़ ने जलसंकट को खत्म करने के लिए प्रषासनिक प्रयासों को और अधिक तेज करने की हिदायत दी। खेजड़ा हाली पंचायत के प्रतिनिधियों ने बताया कि गांव में नाली को खुद गई है लेकिन लाइन नहीं डाली गई। इस कारण लोग गिर रहे हैं। सुमेरपुर के जनप्रतिनिधियों ने भी जलजीवन मिशन के अधूरे काम पर नाराजगी जताई। कई गांवों में बिजली संकट के कारण नलजल योजना का संचालन नहीं हो पा रहा। जब इसका जवाब लेने की बात आई तो बिजली कंपनी के अफसरों को ढूंढा गया लेकिन कंपनी का कोई भी जिम्मेदार इस बैठक में नहीं दिखाई दिया। जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव ने इस पर नाराजगी जताई कि इतनी महत्वपूर्ण बैठक में ही अधिकारी गैरमौजूद हैं तो फिर वे फिल्ड में कितनी मनमानी करते होंगे ये समझा जा सकता है। एसडीएम ने प्राप्त सुझावों पर जल्द ही अमल करने का आश्वासन भी इस दौरान दिया।

न्यूज विंडो

कुत्ते के हमले में मासूम घायल सिर और चेहरे पर आए 8 टांके

धामनोद। ग्राम पिपलाज में एक आक्रामक कुत्ते के हमले से घर के आंगन में खेल रही एक मासूम बच्ची पर आवारा कुत्ते ने अचानक हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर दौड़े परिजनों और ग्रामीणों ने बमुश्किल उसकी जान बचाई। गंभीर हालत में बच्ची को धामनोद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसके चेहरे पर 8 टांके लगे हैं। जानकारी के अनुसार पिपलाज निवासी मासूम सलोनी अपने घर के आंगन में खेल रही थी। इसी दौरान एक आक्रामक कुत्ता वहां आ धमका और बिना किसी उकसावे के सलोनी पर झपट पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुत्ते ने बच्ची के सिर को अपने जबड़े में दबोच लिया और उसे बुरी तरह रौंदने लगा। बच्ची की चीखें सुनकर आसपास के लोग लाठियां लेकर दौड़े तब कहीं जाकर कुत्ता उसे छोड़कर भागा। लहूलुहान हालत में परिजन सलोनी को लेकर तत्काल धामनोद के शासकीय अस्पताल पहुंचे। ड्यूटी पर मौजूद डॉ. कार्तिक सिंह चौहान ने त्वरित उपचार शुरू किया। डॉक्टर चौहान ने बताया कि बच्ची के सिर और गले पर गहरे घाव थे। चेहरे पर 8 टांके लगाने पड़े हैं। फिलहाल प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची की स्थिति ठीक है।

छिंदवाड़ा के रिहायशी क्षेत्र से शराब दुकान हटाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। शहर के चंदन गांव क्षेत्र में संचालित हो रही शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। वार्ड क्रमांक 34, 36 और 37 के निवासियों ने ज्ञापन सौंपते हुए दुकान को मुख्य मार्ग से हटाकर अन्यत्र स्थापित करने की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि शराब दुकान मुख्य नागपुर मार्ग पर स्थित है, जहां दिनभर ट्रैफिक का दबाव बना रहता है। दुकान के सामने अक्सर लोगों की भीड़ लगी रहती है। शराब लेने की जल्दबाजी और लौटते समय सड़क पार करने में लापरवाही के कारण यहां दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

डिंडोरी जिले में लिव इन पार्टनर ने महिला को पीट-पीट कर मार डाला

डिंडौरी। जिले में लिव इन पार्टनर के छोटे भाई ने महिला को पीट-पीटकर मार डाला। वहीं महिला की 14 साल की बेटी से उसके पार्टनर ने नशे में रेप किया। वारदात के बाद भाग गया। बच्ची अपनी मां की लाश के पास बैठकर रातभर रोती रही। मामला शहपुरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक महिला की उम्र करीब 35 साल है। महिला को मारने वाले आरोपी का नाम छोटू चौधरी (40) है, जबकि बच्ची से रेप करने वाले महिला के लिव इन पार्टनर का नाम हरिओम चौधरी है। इस दौरान पुलिस ने लड़की को तत्काल शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। बच्ची की हालत खतरे से बाहर है। वहीं पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मर्डर स्पॉट और घर को सील कर दिया है।

पांढुर्णा में घेराबंदी कर पकड़ा गया 13 मवेशियों से भरा वाहन

पांढुर्णा। जिले में एक पिकअप में 13 मवेशियों को कत्लखाने ले जाया जा रहा था। घटना शुक्रवार की अल सुबह 5 बजे की है। मवेशी तस्करी का एक मामला सामने आया है। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 13 मवेशी क्रूरतापूर्वक बांधे हुए पाए गए। तस्कर इन मवेशियों को महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जा रहे थे। मोहगांव और भुम्मा के रास्ते पर बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और मोहगांव पुलिस ने मिलकर पिकअप वाहन को घेराबंदी कर पकड़ा।

रतलाम जिले में तेल से भरे एक ट्रक में भीषण आग लगी, जलकर खाक

रतलाम। रतलाम-बांसवाड़ा मार्ग पर सैलाना से आगे सरवन मार्ग स्थित कल्याण केदारेश्वर घाट पर देर रात करीब 2 बजे खाने के तेल से भरे एक ट्रक में भीषण आग लग गई। इस हादसे में ट्रक और उसमें रखे करीब 30 लाख रुपए कीमत के 1500 तेल के डिब्बे जलकर पूरी तरह राख हो गए हैं। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल टीम ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है और फिलहाल मार्ग पर स्थिति सामान्य कर दी गई है।

सागर में विकास का रहस महोत्सव: रहली, गढ़ाकोटा को स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, खेजरा-शाहपुर- मोकलपुर फ्लाईओवर सहित कृषि उपज मंडी को बनाया जाएगा बेहतर

हर खेत को मिलेगा पानी, एक लाख करोड़ के बजट से संवरेगा एमपी का किसान: मुख्यमंत्री

सागर। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गढ़ाकोटा में ऐतिहासिक रहस मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने न केवल बुंदेलखंड के वीरों के पुरुषार्थ को नमन किया, बल्कि मध्यप्रदेश के अन्नदाताओं और बच्चों के भविष्य के लिए सरकार द्वारा इस वर्ष बजट के माध्यम से लिए क्रांतिकारी निर्णयों को भी रखा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार का संकल्प हर खेत तक पानी पहुँचाना और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को गढ़ाकोटा में आयोजित रहस लोकोत्सव 2026 एवं बुन्देलखण्ड स्तरीय किसान एवं ग्रामीण शहरी आजीविका समूहों के सम्मेलन समारोह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ववलित कर गढ़ाकोटा रहस मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह रहस मेला नहीं रहस्य मेला है। यहा आकर ऐसा लगा जैसे आज ही सारे त्योहार मन गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार इस वर्ष किसानों के कल्याण के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट समर्पित कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प प्रत्येक किसान तक सिंचाई का पानी पहुंचाना है, जिससे प्रदेश के सिंचाई रकबे में ऐतिहासिक वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि बुंदेलखंड में बीड़ी उद्योग और तेंदूपत्ता संग्रहण केवल व्यापार नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की जीविका रहा है। यहां बीड़ी, तेंदूपत्ते और हस्तकला आधारित लघु इकाइयों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीड़ी बनाने वाले एवं तेंदूपत्ता का संग्रहण करने वाले व्यक्तियों के उन्नयन के लिए सांसद, विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि एक कमेटी बनाकर निर्णय लें तथा निर्णय से मुझे अवगत कराएं जिस पर कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स एवं स्टेडियम कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा। इसी प्रकार ढाना में शासकीय महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय और इतिहास के नए विषय खोलने को भी मंजूरी दी। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 32.78 लाख से अधिक हितग्राहियों के बैंक खातों में 196.72 करोड़ रुपये की राशि सीधे ट्रांसफर की। इसमें सागर जिले के 200688 पेंशन लाभार्थियों को 12.03 करोड़ रुपये की राशि का हस्तांतरण किया गया। इस अवसर पर सांसद दमोह संसदीय क्षेत्र राहुल सिंह लोधी, सांसद लता वानखेडे, विधायक भूपेन्द्र सिंह, प्रदीप लारिया,शैलेन्द्र जैन, बृजबिहारी पटेरया, वीरेन्द्र सिंह लोधी, उमादेवी खटीक, रानी पटेल, श्याम तिवारी, सदानंद गौतम, महापौर संगीता सुशील तिवारी जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत सहित अनेक जन-प्रतिनिधि, अभिषेक भार्गव, कमिश्नर अनिल सुचारी, पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना, कलेक्टर संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, अपर कलेक्टर अविनाश रावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्थापित किए जा रहे हैं फूड पार्क

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण संस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए फूड पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योगों के उत्थान और किसानों को उनकी फसल के सही दाम प्राप्त हों इसके लिए सरकार ने वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों के कल्याण के लिए इस साल के बजट में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का बजट रखा गया है। उन्होंने कहा कि पशु पालन और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए सरकार के द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने रहली विधासभा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती देते हुए खेजरा-शाहपुर-मोकलपुर फ्लाईओवर के निर्माण की स्वीकृति दी। उन्होंने रहली एवं गढ़ाकोटा कृषि उपज मंडी के उन्नयन के लिए 5-5 करोड़ रुपए एवं शाहपुर उपमंडी के विकास हेतु एक करोड़ रुपए की स्वीकृति दी जिससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज का सही दाम और आधुनिक सुविधाएं मिल सकें इसके साथ ही उन्होंने रहली रमखरिया, सिमरिया नायक बहेरिया मढ़ि मार्ग के उन्नयन और चौड़ीकरण की भी घोषणा की।

यशोदा योजना- बच्चों की सेहत के लिए टैट्रा पैक दूध

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और पोषण को जोड़ते हुए सरकार ने यशोदा योजना की शुरुआत की है। इसके तहत अब कक्षा 1 से 8वीं तक के सरकारी स्कूली बच्चों को स्कूलों में पौष्टिक टैट्रा पैक दूध उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे नौनिहालों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

भार्गव बोले-हम बुंदेली लोग गरीब हो सकते हैं गद्दार नहीं

पूर्व मंत्री एवं रहली विधायक गोपाल भार्गव स्वागत भाषण देते हुए भावुक हो गए उन्होंने कहा कि हम बुंदेली लोग गरीब हो सकते हैं परेशान हो सकते हैं लेकिन गद्दार नहीं. भार्गव ने कहा कि हमारे क्षेत्र के शासक राजा मर्दन सिंह के राज्यारोहण की स्मृति में यह मेला प्रतिवर्ष आयोजित होता आ रहा है। यह रहस मेला बुंदेलखंड की धरोहर और पहचान है यह हमेशा चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनाया है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है।

वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित पकड़कर वन विहार भेजा

नदी से सड़क पर आया 8 फीट लंबा मगरमच्छ

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गर्मियों का मौसम शुरू होने से पहले ही क्षेत्र की छोटी-बड़ी नदियों का पानी खत्म होने के कारण उनमें रहने वाले जीव-जंतु नदियों से निकलकर खेत-खलिहान या फिर सड़कों पर नजर आ रहे हैं जिससे लोगों में डर व खतरा बढ़ गया है। तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की मुख्य व्यारमा नदी में बड़ी तादाद में मगरमच्छ पाए जाते हैं। इस नदी में रहने वाले मगरमच्छ नदी से बाहर निकलने लगे हैं जो कभी खेतों में पहुंच रहे हैं तो कभी सड़कों पर नजर आ रहे हैं या फिर अन्य नदियों में पहुंच रहे हैं। ऐसा ही मामला बुधवार की रात करीब 9 बजे देखने को मिला है जब एक 8 फीट का मगरमच्छ नदी से निकलकर बीच पुल पर आ गया मार्ग से गुजर रहे राहगीरों द्वारा इसकी सूचना तारादेही वन विभाग को दी और टीम ने एक घंटे की मशक्कत के बाद रेस्क्यू किया गया।

दरअसल तारादेही वन परिक्षेत्र के अंतर्गत तेन्दूखेड़ा तारादेही मार्ग पर स्थित गोहदर के पुल का मामला है, जहां 8 फीट लंबा विशालकाय मगरमच्छ गोहदर नदी से निकलकर मुख्य सड़क पर आ गया वहां से गुजर रहे राहगीरों की जैसे ही मगरमच्छ पर नजर पड़ी तो होश उड़ गए और उन्होंने तत्काल इसकी सूचना तारादेही वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही तारादेही वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र गुर्जर डिप्टी रेंजर मुकेश दुबे सहित अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचा, लेकिन मगरमच्छ भारी-भरकम और 8 फीट होने के चलते रेस्क्यू करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिसके बाद तारादेही वन विभाग की टीम ने इसकी सूचना वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के सर्रा गेम परिक्षेत्र अधिकारी को दी गई। सूचना मिलते ही टाइगर रिजर्व की टीम भी मौके पर पहुंची और मगरमच्छ को पकड़ने रेस्क्यू शुरू किया गया। एक घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ का सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सका।

वनपाल पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाले आरोपी को भेजा जेल

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गत दिवस वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के सर्रा गेम परिक्षेत्र में पदस्थ बीट प्रभारी बोरिया ब्रजेश सेन वनपाल को बोरिया गांव के भूरे गौड़ ने कुल्हाड़ी मारकर हमला कर दिया गया था, जहां घायल अवस्था में वनपाल को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। वनपाल को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। वहीं कुल्हाड़ी मारने वाले आरोपी भूरे सींग पिता देवी सींग गौंड ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को तेंदूखेड़ा न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपी द्वारा पेड़ काटने एवं अतिक्रमण करने से मना करने पर शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए गाली-गलौंज कर जान से मारने की नियत से वनपाल के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया था। जिस संबंध में थाना तारादेही में अपराध पंजीबद्ध किया गया। दमोह पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय दमोह के निर्देशन में तथा एसडीओपी तेदूखेड़ा के मार्गदर्शन में थाना तारादेही पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये आरोपी भूरे सींग पिता देवी सींग गौंड उम्र 51 साल निवासी बोरिया थाना तारादेही जिला दमोह को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

रामविशाल का निधन, लोगों ने नम आंखों से दी विदाई

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 08 में सेवानिवृत एसआई रामविशाल श्रीवास्तव 67 का हार्टअटैक के चलते निधन हो गया। श्रीवास्तव तारादेही पुलिस थाना में प्रभारी रहते हुए जून 2022 में सेवानिवृत हुए थे। उनका स्वभाव बहुत ही शांति प्रिय एवं मिलनसार था। गुरुवार को भटरिया स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर नम आंखो से अंतिम विदाई देकर दो मिनिट का मौन धारण किया। श्री श्रीवास्तव अपने पीछे एक पुत्र एवं चार पुत्री को छोड़कर चले गए हैं।

सखी सेंटर में 8 परिवारों के बीच सुलह, फिर लौटेंगी खुशियां

धार। दोपहर मेट्रो

जिला भोज हॉस्पिटल परिसर में संचालित वन स्टॉप सेंटर ने एक बार फिर टूटते परिवारों को जोड़ा है। सेंटर के निरंतर प्रयासों और प्रभावी काउंसलिंग के जरिए 8 अलग-अलग परिवारों के बीच चल रहे विवादों को सुलझाकर उन्हें पुनः साथ बसाया गया। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक ज्योत्सना सिंह ठाकुर ने बताया कि 2 मार्च 2018 से संचालित इस केंद्र पर अब तक हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं के 2112 प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। केंद्र का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को निर्भय और दोस्ताना माहौल प्रदान करना है ताकि वे अपनी समस्या साझा कर सकें। भाई-बहन का विवाद - एक मामले में भाई शराब पीकर अपनी छोटी बहन और मां के साथ मारपीट करता था। काउंसलिंग के दौरान उन्हें खून के रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराया गया,जिसके बाद दोनों ने साथ रहने का निर्णय लिया। जिम्मेदारी से भागे पति की वापसी - एक अन्य प्रकरण में पति छोटी-सी बात पर पत्नी और बच्चों को छोड़ भाई-भाभी के पास रहने चला गया था। सेंटर ने पति को बुलाकर जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया, जिसके बाद वह परिवार के पास लौट आया। बीमारी और घरेलू हिंसा दो बेटियों के जन्म और शारीरिक कमजोरी के कारण काम न कर पाने पर एक महिला को घर से निकाल दिया गया था। सेंटर ने पति को समझाया कि स्त्री का शरीर मशीन नहीं है, जिसके बाद पति ने अपनी गलती मानी और सम्मान के साथ पत्नी को घर ले गया। दहेज प्रताड़ना व शक - दहेज के लिए प्रताड़ित करने और पत्नी के फोन की जासूसी करने जैसे गंभीर मामलों में भी काउंसलिंग के जरिए पति-पत्नी के बीच गलतफहमियां दूर की गईं। इन समझौतों में काउंसलर चेतना राठौर की मुख्य भूमिका रही।

मेट्रो एंकर प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क की बकाया राशि वसूली के लिए उड़नदस्ता दल का किया गठन

सागर.। दोपहर मेट्रो

नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने सागर नगरीय क्षेत्र में जलकर,संपत्तिकर एवं कचरा बिल की बकाया राशि की वसूली हेतु एक उड़न दस्ता का गठन किया है । जिसमें प्रभारी सहायक आयुक्त आनंद मंगल गुरू प्रभारी अधिकारी होंगे एवं अनुरुद्ध चाचोंदिया प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक, विकास गुरू देवकुमार चौबे, स्वच्छता निरीक्षक , संजय सोनी स्थाई कर्मी सदस्य होंगे।

समस्त जोन प्रभारी स्वास्थ्य विभाग एवं समस्त कर सग्रांहक उड़नदस्ता के निर्देशों का पालन एवं सहयोग करेंगे। उड़नदस्ता दल द्वारा बकाया करों की राशि वसूली के साथ ही आवासीय भवनों का व्यवसायिक उपयोग करने पर व्यवसायिक कर का निर्धारण कर स्पाट फाइन की कार्रवाई की जाएगी तथा संपत्तिकर का अगर सही निर्धारण नहीं हुआ है तो मौके पर ही कर निर्धारण किया जाएगा और संबंधित वार्ड के करसंग्राहक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जावेगी। इसके साथ ही उड़नदस्ता दल द्वारा बगैर नक्शा स्वीकृति के भवन निर्माण करने तथा निर्माण किए जा रहे भवनों की नगर निगम द्वारा ली गई स्वीकृति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। निगमायुक्त ने गठित किए गए उड़नदस्ता दल के प्रभारी अधिकारी एवं सभी सदस्यों को संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क की बकाया राशि की वसूली का कार्य तेज गति से करने एवं प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

कचरा जलाकर प्रदूषण फैलाने पर कुलपति को नोटिस

सागर। दोपहर मेट्रो

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को लेकर व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। निगम की टीम द्वारा लगातार वार्डों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। गत दिवस सिविल लाइन क्षेत्र में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति निवास परिसर में कचरा जलाकर प्रदूषण फैलाते पाए जाने पर कुलपति को नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई।

स्वच्छता अधिकारी राजेश सिंह राजपूत ने बताया कि सिविल लाइन स्थित कुलपति निवास पर कचरा जलाया जा रहा था, जिससे पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है। यह कृत्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 का उल्लंघन है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत न करने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे कचरा जलाने जैसी गतिविधियों से बचें तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन करते हुए शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने में सहयोग करें।

टी-20 वर्ल्डकप : न्यूजीलैंड आज जीता तो पाकिस्तान बाहर

वेस्टइंडीज की हार से भारत की राह आसान अब विंडीज को ही आखिरी मैच हराना होगा

नईदिल्ली. एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में गुरुवार का दिन भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा। साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हरा दिया, वहीं टीम इंडिया ने आखिरी मुकाबले में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया। इन नतीजों से वेस्टइंडीज और भारत के बीच होने वाला मुकाबला नॉकआउट की तरह हो गया। 1 मार्च को कोलकाता में यह मैच होगा, जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी, वहीं हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। आज न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच ग्रुप-2 का मुकाबला होगा। न्यूजीलैंड जीता तो टीम इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी।

भारत को एक जीत चाहिए

साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 स्टेज में लगातार 2 मैच जीत लिए। टीम 4 पॉइंट्स के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गई। जिम्बाब्वे दूसरी हार के बाद नॉकआउट की रेस से बाहर हो गई। अब जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के बीच 1 मार्च को मुकाबला होगा। साउथ अफ्रीका जीतकर ग्रुप-1 में टॉप पर फिनिश कर सकता है। वहीं जिम्बाब्वे जीतकर साउथ अफ्रीका को नंबर-2 पर खिसका सकता है। वेस्टइंडीज को साउथ अफ्रीका ने हरा दिया। इससे भारत और विंडीज के पास सुपर-8 में 1 जीत और 1 हार हो गई। अब दोनों टीमें 1 मार्च को कोलकाता में शाम 7 बजे से आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला नॉकआउट ही होगा। जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, वहीं हारने वाली टीम का सफर खत्म हो जाएगा।

ग्रुप-2 में इंग्लैंड ने 2 मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम आज न्यूजीलैंड के खिलाफ भिड़ेगी। न्यूजीलैंड अगर जीता तो ग्रुप में नंबर-1 पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बना लेगा। वहीं इंग्लैंड जीता तो टीम टॉप पर फिनिश करेगी और ग्रुप-1 में नंबर-2 पर रहने वाली टीम से सेमीफाइनल खेलेगी। न्यूजीलैंड की हार से पाकिस्तान को फायदा मिलेगा। क्योंकि हारने के बाद कीवी टीम 3 पॉइंट्स पर अटक जाएगी। 28 फरवरी को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच मैच होगा। पाकिस्तान जीता और उनका रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर रहा तो टीम नॉकआउट में पहुंच जाएगी। अगर जीतने के बाद भी पाकिस्तान का रन रेट न्यूजीलैंड से खराब रहा तो कीवी टीम नॉकआउट में एंट्री कर लेगी। श्रीलंका जीता तो भी पाकिस्तान बाहर होगा और आज हारने पर भी न्यूजीलैंड क्वालिफाई कर जाएगा।

टीम इंडिया का सेमीफाइनल समीकरण क्या है?

अब सेमीफाइनल का पूरा गणित रविवार 1 मार्च को कोलकाता में होने वाले भारत बनाम वेस्टइंडीज मैच पर टिक गया है। दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुका है, ऐसे में भारत के लिए समीकरण बिल्कुल साफ है, वेस्टइंडीज को हराओ और सेमीफाइनल का टिकट पाओ। लेकिन अगर यह मैच बारिश की भेंट चढ़ता है और बेनतीजा रहता है तो बेहतर नेट रन रेट के आधार पर वेस्टइंडीज आगे निकल जाएगा और भारत बाहर हो जाएगा।

22 साल बाद डार्विन में होगा टेस्ट मैच

बांग्लादेश का ऑस्ट्रेलिया दौरा अगस्त में खेले जाएंगे दो मैच

नईदिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के लिए अगस्त 2026 बेहद अहम रहने वाला है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए बांग्लादेश अगस्त में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। 2003 के बाद यह पहला मौका होगा जब बांग्लादेश ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दोनों टेस्ट मैचों के लिए वेन्यू की घोषणा कर दी है। दोनों टेस्ट नई जगहों पर खेले जाएंगे। मैच डार्विन के माराा स्टेडियम और मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले जाएंगे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, हम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट लाकर बहुत खुश हैं। बांग्लादेश के खिलाफ एक शानदार टेस्ट सीरीज का हम इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम खुशकिस्मत हैं कि अगस्त में वर्ल्ड क्लास सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे यह पक्का होगा कि गर्मियों के अलावा हमारे पास टेस्ट क्रिकेट के लिए एक और मौका है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच सीरीज का पहला टेस्ट (13 से 17 अगस्त) खेला जाएगा। इसका माराा स्टेडियम 22 साल बाद किसी टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले यहां जुलाई 2004 में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच पिछला टेस्ट खेला गया था। बांग्लादेश की टीम भी डार्विन में 2003 में एक टेस्ट खेल चुकी है। वहीं, ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में दूसरा टेस्ट (22 से 26 अगस्त) खेला जाएगा। इस वेन्यू का यह पहला टेस्ट मैच होगा।

टेस्ट में हेड टू हेड

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच यह चौथी टेस्ट सीरीज होगी। दोनों देशों के बीच अब तक छह टेस्ट खेले गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैच जीते हैं, जबकि बांग्लादेश को भी एक मैच जीतने में सफलता मिली है। बांग्लादेश ने मीरपुर में 2017 में खेले गए टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज बांग्लादेश के क्रिकेटरों के लिए अपनी क्षमता को साबित करने का एक बड़ा अवसर है।

अच्छे प्रदर्शन का मौका

बांग्लादेश टी20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने की वजह से पिछले दिनों काफी चर्चा में रही थी। कई रिपोर्टों के मुताबिक बांग्लादेशी क्रिकेटर विश्व कप का हिस्सा नहीं होने से निराश थे। ऐसे में उनके पास मौका होगा ऑस्ट्रेलिया में जाकर अपनी क्षमता दिखाने का और ऑस्ट्रेलियाई टीम को हैरान करने का।

2027 में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप बीजिंग में

ग्लासगो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स परिषद की बैठक में फैसला

बीजिंग, एजेंसी

चीन के बीजिंग में 2027 में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैम्पियनशिप से पहले ग्लासगो में आयोजित 234वीं वर्ल्ड एथलेटिक्स परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक से पहले इतावली एथलेटिक्स महासंघ ने रोम की दावेदारी को वापस ले लिया। जिसके बाद बीजिंग के लिए रास्ता साफ हो गया।

इटली की सरकार ने पैसे देने से मना कर दिया, जिसके बाद इतावली एथलेटिक्स महासंघ ने दावेदारी से अपने हाथ पीछे खींच लिए। चीन दूसरी बार वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन कर रहा है। 2015 में चीन में इसका आयोजन हो चुका है। वहीं चीन में अगले साल नानजिंग में इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की भी मेजबानी कर रहा है। 2008 में चीन

ने बीजिंग में ग्रीष्मकालीन ओलिंपिक और 2022 में शीतकालीन खेलों की मेजबानी की। वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा, यह दुनिया के सबसे बड़े वाणिज्यिक बाजारों में से एक में हमारे खेल और प्रशंसक आधार को बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप और ओलिंपिक गेम्स में जेवलिन में गोल्ड जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने पिछले साल ज्यूरिख में डायमंड लीग के 2027 के लिए बोली लगाने का दावा किया था। नीरज ने ज्यूरिख में डायमंग लीग के दौरान प्रेस कांन्फ्रेंस में भारत की वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी की संभावना के बारे में पूछे जाने पर नीरज ने कहा था, भारत 2027 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबनी की बोली लगाने जा रहा है। मैं भारतीय फैन्स से अनुरोध करूंगा और मुझे उम्मीद है कि भारी संख्या में लोग उस टूर्नामेंट को देखने के लिए आएंगे।

प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता

गुकेश और हैंस मोके नीमन का मैच ड्रॉ

प्राग, एजेंसी

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने मिडिल गेम में कुछ तनावपूर्ण क्षणों से गुजरने के बाद प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के पहले दौर में अमेरिका के हैंस मोके नीमन के साथ ड्रॉ खेला। गुकेश सफेद मोहरों से खेल रहे थे लेकिन नीमन ने बर्लिन डिफेंस अपनाया। दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले की यह अच्छी शुरुआत थी। नीमन ने आक्रामक रुख अपनाया और 13वीं चाल पर ही एक मोहरे का बलिदान कर दिया, जिससे सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद गुकेश बैकफुट पर आ गये। अमेरिकी खिलाड़ी ने इसके बाद हावी होने की कोशिश की लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने भी अच्छा खेल दिखाया और आखिर में बाजी ड्रॉ करने में सफल रहा।

गुकेश को छोड़कर सफेद मोहरों से खेल रहे अन्य खिलाड़ियों ने पहले दौर में जीत हासिल की। भारत के मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम काले मोहरों से खेल रहे थे और उन्हें पहले दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से हार का सामना करना पड़ा। अब्दुसत्तोरोव के हमनाम और हमवतन नोदिरबेक याकुब्बोएव ने स्पेन के डेविड एंटोन गुज्जरो को जबकि स्थानीय खिलाड़ी नवारा डेविड ने ईरान के परहम मगसूदलू को हराया। चैलेंजर्स वर्ग में महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख ने हंगरी के शीर्ष वरीयता प्राप्त बेंजामिन ग्लेडुरा के साथ ड्रॉ खेला, लेकिन सूर्य शेखर गांगुली को नीदरलैंड के थॉमस बीर्डसेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सलमान के साथ काम करने के लिए उतावली थीं प्रियंका चोपड़ा, 'भारत' में कास्टिंग के लिए बहन अर्पिता को किए थे हजार कॉल्स

इन दिनों सलमान खान का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में है, जिसमें उन्होंने ये दावा किया था कि प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म भारत में काम करने के लिए उनकी बहन के पास हजार कॉल्स किए थे। हालांकि कास्टिंग होने के बाद उन्होंने शूटिंग शुरू होने के बाद फिल्म छोड़ दी थी। सलमान खान ने एक इंटरव्यू में प्रियंका के फिल्म छोडने के फैसले पर कहा था, उनके लिए ये फैसला लेना काफी मुश्किल रहा होगा, क्योंकि वो वाकई इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थीं। उन्होंने अर्पिता (सलमान की बहन) को हजार बार कॉल कर कहा था कि मैं सलमान के साथ काम करना चाहती हूं। इतना ही नहीं उन्होंने डायरेक्टर अली अब्बास जफर को कॉल करके भी कहा था कि देख लीजिए अगर फिल्म में कोई रोल हो सके तो। उसी इंटरव्यू में सलमान ने ये भी कहा था कि प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस से होने वाली सगाई के चलते भारत छोड़ी थी। ये बात उन्होंने खुद सलमान से कही थी। इस पर सलमान ने उनसे कहा था कि अगर सगाई है तो भी फिल्म कर सकती हो, लेकिन बाद में प्रियंका ने कहा कि उन्हें शादी भी करनी है। फिल्म लवयात्री के प्रमोशनल इवेंट में सलमान ने बताया था कि फिल्म भारत की शूटिंग शुरू हो चुकी थी। प्रियंका ने अपना शेड्यूल शुरू होने के महज 10 दिनों पहले फिल्म छोड़ने की खबर दी थी। उनके जाने के बाद कटरीना कैफ को अप्रोच किया गया था। उस समय कटरीना, आमिर खान के साथ ठग्स ऑफ हिंदोस्तान और शाहरुख खान के साथ जीरो में काम कर रही थीं, ऐसे में उनके लिए डेट्स निकाल पाना काफी मुश्किल था। इसके बावजूद कटरीना फिल्म करने के लिए राजी हो गई थीं।

मेट्रो बाजार

सैमसंग गैलेक्सी सीरीज के तीन नए फोन लॉन्च, कीमत 88 हजार से शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी

सैमसंग ने अपनी सबसे पावरफुल गैलेक्सी एस 26 सीरीज लॉन्च कर दी है। 25 फरवरी को कैलिफोर्निया में हुए इवेंट में कंपनी ने तीन फोन और नई गैलेक्सी बड्स 4 सीरीज पेश की। ये फोन दिखने में काफी हद तक पुरानी एस 25 सीरीज जैसे ही हैं, लेकिन इनके सॉफ्टवेयर और प्रोसेसर में बड़े बदलाव किए गए हैं। इसके टॉप वैरिएंट में दुनिया का पहला ऐसा प्राइवेसी फीचर दिया गया है

जिसमें फोन में क्या देख रहे हैं उसका साइड वाले को पता नहीं चलेगा। छोटे मॉडल्स में कंपनी ने कुछ सुधार किए हैं। गैलेक्सी एस 26 की स्क्रीन अब 6.2 इंच से बढ़कर 6.3 इंच हो गई है। वहीं इसकी बैटरी को भी 4,000 एमएच से बढ़ाकर 4,300 एमएच कर दिया गया है। एस 26 प्लस में 6.7 इंच की डिस्प्ले और 4,900 एमएच की बैटरी मिलेगी। इस सीरीज के सबसे महंगे फोन एस 26 अल्ट्रा में कंपनी ने एक खास प्राइवेसी डिस्प्ले दी है। यह फीचर आपके बगल में बैठे लोगों से आपकी स्क्रीन को सुरक्षित रखता है। डिस्प्ले के पिक्सल इस तरह से लाइट छोड़ते हैं, कि सामने से देखने वाले को सब साफ दिखता है, लेकिन साइड से देखने वाले को स्क्रीन काली या धुंधली दिखती है। आप इसे सेटिंग्स से या पावर बटन को दो बार दबाकर तुरंत ऑन/ऑफ कर सकते हैं। आप चाहें तो अपनी पसंद के एप को भी इस फीचर से प्रोटेक्ट कर सकते हैं।

भारतीय कंस्ट्रक्शन सेक्टर भी होगा आधुनिक अडानी सीमेंट ने अब नरेडको से भी मिलाया हाथ

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्र निर्माण में बढ़ती कंस्ट्रक्शन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी सीमेंट ने नारेडको से एक समझौता किया है। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल देश में रियल एस्टेट सेक्टर का प्रतिनिधित्व करने वाला शीर्ष निकाय है। नारेडको और अडानी सीमेंट की तरफ से यहां जारी एक बयान के मुताबिक यह साझेदारी भारत को तेजी से बढ़ती निर्माण आवश्यकताओं को समर्थन देने के लिए है। इसके साथ ही 'विकसित भारत 2047' के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को योगदान देने के विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है। बयान के मुताबिक यह साझेदारी देशभर में आवासीय, वाणिज्यिक और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में गुणवत्ता, पर्यावरण अनुकूल उपायों और बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए की गई है। इसके अंतर्गत रियल एस्टेट सेक्टर में काम करने वाले कामगारों यथा राजमिस्त्रियों और कंस्ट्रक्शन मजदूरों के लिए संयुक्त रूप से कौशल विकास और प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इससे इस सेक्टर के वर्कफोर्स आधुनिक तकनीकों, सुरक्षा मानकों और बदलते उद्योग मानकों से लैस हो सकेंगे। बयान में बताया गया है यह सहयोग कंस्ट्रक्शन सेक्टर से जुड़े नॉलेज साझा करने और तकनीक के आदान-प्रदान के लिए भी एक मंच का कार्य करेगा। इससे भारतीय कंस्ट्रक्शन सेक्टर को एडवांस कंक्रीट सॉल्यूशन, नवोन्मेषी निर्माण पद्धतियों और आधुनिक निर्माण सामग्रियों तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित की जा सकेगी। अदानी ग्रुप में सीमेंट बिजनेस के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, यह साझेदारी ऐसे परिवेश के निर्माण की दिशा में एक कदम है, जहां गुणवत्ता, नवाचार और पर्यावरण अनुकूल पहल प्रत्येक परियोजना का अभिन्न हिस्सा हों।

• शाहरुख को बताया नाइट पर्सन

गौरी खान बोलीं- हमारे घर में आधी रात तक सब जागते हैं...

शाहरुख खान की वाइफ गौरी खान फिल्म प्रोड्यूसर होने के साथ-साथ इंटीरियर डिजाइनर भी हैं। हाल ही में उन्होंने रेस्टोरेंट बिजनेस में भी कदम रखा है। एक इंटरव्यू में गौरी ने अपने डेली रुटीन पर बात की। उन्होंने कहा कि वो सिंपल लाइफ जीती हैं पर सुबह जल्दी उठने वाले लोगों में से नहीं हैं। गौरी ने यह भी कहा कि लाइफ में उनके बच्चे ही उनकी प्रायोरिटी हैं। इससे पहले गौरी ने अपनी बुक माय लाइफ इन डिजाइन में भी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। इससे पहले गौरी ने अपनी बुक माय लाइफ इन डिजाइन में भी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। कर्ली टेल्स को दिए एक इंटरव्यू में गौरी ने कहा, 'मैं जल्दी उठने वाले लोगों में से नहीं हूं। चूंकि हमारे घर में काफी रात तक सभी जागते रहते हैं तो मैं सुबह 10 बजे तक उठती हूं। मॉर्निंग कॉफी लेने के बाद मैं जिम जाती हूं, लंच करती हूं और अपने काम करती हूं। बच्चे मेरी प्रायोरिटी हैं तो अबराम 3 बजे तक घर आ जाते हैं और लंच करते हैं।

• अभिनेत्री रवीना टंडन ने कहा-

मैं इंस्टाग्राम पर रील्स बनाते हुए वाकई बहुत गलतियां करती हूं...

एक इंटरव्यू में रवीना ने बेटी राशा थडानी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि राशा को रवीना का रील बनाना पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर इंस्टाग्राम की बात करें, तो मैं इसमें बहुत बेकार हूं और मुझे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता है। मैं रील्स बनाते हुए वाकई बहुत गलतियां करती हूं। जब मेरी टीम मुझसे रील पोस्ट करने के लिए कहती है, तो मैं कोई मजेदार रील सिलेक्ट करती हूं, क्योंकि मुझे ऐसी ही रील्स पसंद आती हैं। 'जस्ट लुकिंग लाइक आ वॉव' ट्रेंड पर रवीना ने बनाई थी रील रवीना ने कहा- मैं एक एक्टर हूं, लेकिन ज्यादा कुछ सोचे बिना मैं इस तरह की रील्स बनाती हूं। तब मेरी बेटी राशा मुझसे कहती हैं- मम्मा, आप ये रील्स नहीं बना सकतीं, ये अच्छी नहीं हैं। हालांकि, मुझे रील्स बहुत पसंद आती हैं। रवीना ने आगे बताया कि कुछ महीने पहले जब 'जस्ट लुकिंग लाइक आ वॉव' ट्रेंड चला था तो मैंने भी इस पर रील बनाई थी।

इंदौर-ऐदलाबाद हाइवे पर मोरटक्का में नर्मदा पुल की एक लेन हुई तैयार, कल से होगी शुरू

खंडवा। इंदौर-ऐदलाबाद हाइवे पर मोरटक्का में नर्मदा नदी के पुराने पुल से आवाजाही में होने वाली परेशानी और कमजोर हो चुके पुल का विकल्प हाइवे का नया पुल तैयार हो गया है। इससे जल्द वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकेगी। फिलहाल फोरलेन पुल की तैयार हो चुकी एक लेन से वाहन शनिवार के बाद शुरू करने की तैयारी है, लेकिन बड़वाह से उमरिया तक हाईवे में कई स्थानों पर डामरीकरण और पुल-पुलियाओं का कार्य शेष होने से यातायात पूरी तरह शुरू करने को लेकर संशय बना हुआ है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्रधिकरण (एनएचएआई) द्वारा ट्रायल रन शुरू कर परीक्षण की बात कही है। नेशनल हाईवे पर बड़वाह से सनावद के बीच नर्मदा नदी पर बने नए सिक्सलेन 1275 मीटर लंबे पुल के एक हिस्से से शनिवार से वाहनों का आवागमन शुरू करने की तैयारी है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्रधिकरण ने पुल की एक लेन का निर्माण और लोड टेस्ट के बाद डामरीकरण का कार्य पूरा कर लिया है। अब इसे वाहनों के लिए खोलने में हाईवे का अधूरा कार्य चुनौति साबित हो रहा है। ऐसे में नर्मदा पुल पार करने के बाद बड़वाह की ओर वाहन को आगे ले जाने में समस्या आ रही हैं। बड़वाह के बाद निर्माणाधीन हाईवे उमरिया तक कहीं पर भी पुराने इंदौर रोड़ से नहीं मिल रहा है। वहीं हाईवे पर तीन से चार अधूरे पुल-पुलिया भी वाहनों की आवाजाही में बाधक बन रहे है।

न्यूज विंडो

चंडीगढ़ में स्कूलों और सचिवालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी

चंडीगढ़। आज सुबह शहर में उस समय हड़कंप मच गया जब ईमेल के जरिए कई शिक्षण संस्थानों और एक सरकारी भवन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी भरे मेल में डीपीएस स्कूल, संत कबीर स्कूल, विवेक हाई स्कूल सेक्टर-38 के साथ-साथ पंजाब सचिवालय को निशाना बनाने की बात कही गई है। मेल में अगले दो दिनों के भीतर बम धमाके करने की चेतावनी भी दी गई है। धमकी मिलते ही संबंधित स्कूलों के प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। एहतियातन स्कूल परिसरों को खाली कराया गया। मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमें पहुंचीं। सुरक्षा बलों ने स्कूल परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया।प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

अग्निवीरों को तोहफा: रेलवे ग्रुप डी और लेवल-2 की भर्तियों में आरक्षण

नई दिल्ली। पूर्व अग्निवीरों को रेलवे की भर्तियों में भी आरक्षण मिलेगा। रेलवे ने सेना के साथ सहयोग ढांचे (कॉपरेशन फ्रेमवर्क) के अंतर्गत भूतपूर्व सैनिकों और पूर्व अग्निवीरों के लिए लेवल-1 और लेवल-2 तथा उससे ऊपर के पदों पर भर्ती के लिए आरक्षण के प्रावधान लागू किए हैं। सेना ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि सेना और रेलवे ने अग्निवीरों तथा रिटायर सैनिकों को दोबारा रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए एक सहयोग ढांचे पर सहमति जताई है। चार साल के कार्यकाल के बाद सेना से छोड़ने वाले अग्निवीरों तथा सेना से सेवानिवृत होने वाले सैनिकों के लिए यह अच्छी खबर है। अग्निवीरों के पहले बैच का कार्यकाल इस वर्ष समाप्त होने वाला है और इसे देखते हुए सेना तथा रेलवे की यह पहल उन्हें कुछ राहत देने वाली है।

पटना में बर्ड फ्लू की एंट्री, 6 हजार मुर्गियां दफन, जू में भी हाई अलर्ट

पटना। बिहार में बर्ड फ्लू का खतरा मंडरा रहा है और पटना में मुर्गियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। चितकोहरा के कौशल नगर स्थित बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पोल्ट्री अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में 6000 मुर्गियां संक्रमित पाई गईं। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग ने सभी मुर्गियों को दफना दिया है। इलाके को पूरी तरह सेनिटाइज कर एहतियात बरतने की अपील की गई है।संक्रमित क्षेत्र के एक किलोमीटर दायरे को इंफेक्शन जोन घोषित किया गया है। साथ ही 9 किलोमीटर तक के इलाके को सर्विलांस एरिया बनाया गया है।यहां अंडा, मुर्गी और चारे के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। पटना डीएम के आदेश पर नगर निगम क्षेत्र में मुर्गा-मुर्गी के आवागमन पर भी प्रतिबंध है।कौशल नगर में चेक पोस्ट बनाया गया है। शास्त्रीनगर और बाइपास थाना पुलिस निगरानी में जुटी है। मुर्गी फार्म क्षेत्र में बिना मास्क प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। यह इलाका एयरपोर्ट के पास चितकोहरा पुल के नीचे स्थित है।घनी आबादी के कारण प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। सेनिटाइजेशन प्रमाणपत्र मिलने के बाद ही सामग्री के उपयोग की अनुमति होगी।

जनहित याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय ने जारी किया नोटिस

चुनावी खर्च को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव खर्च की सीमा तय करने की मांग वाली याचिका पर, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों के चुनावी खर्च पर सीमा तय करने की मांग वाली जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और केंद्रीय चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। यह जनहित याचिका गैर सरकारी संगठन Common Cause की ओर से दायर की गई है, जिसमें चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा धनबल के बेलगाम इस्तेमाल को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को छह हफ्ते सुनवाई का निर्देश दिया है और संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने तर्क दिया कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा धनबल का अनियंत्रित इस्तेमाल लोकतंत्र की बुनियाद को प्रभावित करता है और चुनावी प्रक्रिया को असंतुलित करता है।

उन्होंने अदालत को याद दिलाया कि इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले ही यह मान चुका है कि अनियंत्रित धनबल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विकृत करता है और मतदाताओं के सूचना के अधिकार को प्रभावित करता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉय माल्या बागची ने धनबल के दुरुपयोग को रोकने से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में भी चुनावी खर्च की सीमाएं मौजूद हैं, लेकिन वहां भी खर्च को उम्मीदवारों के मित्रों, सहयोगियों या तीसरे पक्षों के माध्यम से किया जाने जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं।

चुनाव में होने वाले अत्यधिक खर्च पर तीसरे पक्ष की रिपोर्टों पर भरोसा नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग को चुनाव में होने वाले अत्यधिक खर्च पर अंकुश लगाने के लिए एसओपी में सुझावों को शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने जनहित याचिका को भी एक अभ्यावेदन के रूप में मानने को कहा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस एनवी अंजारी की पीठ ने टिप्पणी की थी कि कोर्ट चुनाव में होने वाले अत्यधिक खर्च पर तीसरे पक्ष की रिपोर्टों पर भरोसा नहीं कर सकता, क्योंकि चुनाव आयोग ने भी इन रिपोर्टों का खंडन किया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता एक आइआइटी स्नातक हैं, उनके द्वारा दिए गए सुझाव विचारणीय हैं।

कोई नहीं कर सकता हमारे आदेश का उल्लंघन

» बंगाल एसआईआर पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने आज पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार हमारे आदेशों का उल्लंघन करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि हमने स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है। हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग ने राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की कि वह अपने न्यायिक अधिकारियों को जानता है और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे। पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख किया।

चुनाव से पहले बड़ा उलटफेर

डीएमके में शामिल हुए पूर्व सीएम ओ पन्नीरसेल्वम

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम डीएमके में शामिल हो गए हैं। यह ना केवल एआईएडीएमके के लिए बल्कि बीजेपी के लिए भी बड़ा झटका हो सकता है। बता दें कि इसी साल तमिलनाडु की 234 सीटों वाली विधानसभा का चुनाव होना है। पन्नीरसेल्वम तीन बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वह पूर्व सीएम और एआईएडीएम की अध्यक्ष जय ललिता के वफादार माने जाते थे। उनके निधन के बाद पार्टी में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई। हालांकि एआईएडीएमके में अंदरूनी कलह बढ़ती ही चली गई। ऐसे में पलानिस्वामी और पन्नीरसेल्वम में आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया और संगठन में फूट पड़ गई। अन्नाद्रमुक से 2022 में निष्कासित ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए।

मामले को एपस्टीन फाइल से जोड़ा

पुलिस जेल में ले जाकर जहर की सुई भी लगा सकती है: शंकराचार्य

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने उन पर लगाए जा रहे आरोपों को झूठा और निराधार बताया है। उन्होंने अपनी हत्या की आशंका भी जताई। बृहस्पतिवार को वह केदार घाट स्थित मठ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा कि आश्रम के लोगों को आशंका है कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर जेल ले जा सकती है, जहां उन्हें जहर की सुई लगाकर मार भी दिया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि वह स्वयं अग्रिम जमानत दाखिल करने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन पीठ से जुड़े लोगों की भावनाओं के आधार पर यह निर्णय लिया गया। उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप झूठे और मनगढ़ंत हैं। एक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति झूठी कहानी गढ़कर लोगों के सामने रख देता है और उसी आधार पर पूरा घटनाक्रम चलने लगता है।

शंकराचार्य ने कहा कि जांच टीम अपना काम कर रही है, लेकिन आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा प्रेस वार्ता कर जांच संबंधी रिपोर्ट मीडिया के सामने प्रस्तुत की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि जांच टीम की रिपोर्ट एक हिस्ट्रीशीटर सार्वजनिक कर रहा है तो पुलिस क्या कर रही है।

उन्होंने कहा कि कानूनन पॉक्सो एक्ट से संबंधित रिपोर्ट सामान्यतः सार्वजनिक नहीं की जाती। यदि कोई जानकारी साझा की भी जाती है तो वह पुलिस विभाग की ओर से होनी चाहिए। उनका कहना था कि ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने शिकायतकर्ता को ही अपना स्थायी प्रवक्ता बना लिया है। मठ से जुड़ी 'शीश महल' जैसी चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इस समय जिसे जो कहना है, वह कह रहा है। उन्होंने कहा कि किसी कक्ष में शीशा लगा होना बुराई नहीं है। यदि कमरा पारदर्शी है तो बाहर का व्यक्ति अंदर देख सकता है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है।पांच मंजिला भवन के संबंध में उन्होंने कहा कि यह कोई छिपाने योग्य वस्तु नहीं है, जिसे जेब में रखकर छिपाया जा सके।

राजधानी दिल्ली में महंगी होगी शराब,10% ज्यादा देना होगा लाइसेंस शुल्क

नई दिल्ली। दिल्ली में नए वित्तीय वर्ष से शराब महंगी हो सकती है। 2026-27 की एक्साइज अवधि के लिए लाइसेंस शुल्क में 10 फीसदी बढ़ोतरी कर दी गई है। यह बढ़ोतरी होटल, क्लब और रेस्टोरेंट समेत कई श्रेणी के लाइसेंस पर लागू होगी।

दिल्ली सरकार के आबकारी, मनोरंजन एवं लक्जरी टैक्स विभाग ने 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की लाइसेंस अवधि के लिए फीस बढ़ाने का आदेश जारी किया है। सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद एल-28/एल-28एफ और एल-29/एल-29एफ श्रेणी के लाइसेंसों के नवीनीकरण को हरी झंडी दी गई है।

नई व्यवस्था के तहत भारतीय और विदेशी शराब पर लगने वाली वार्षिक लाइसेंस फीस में 10 फीसदी इजाफा किया गया है। माना जा रहा है कि लाइसेंस शुल्क बढ़ने का असर बाजार में शराब की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

आयकर छापा : बसपा विधायक के पास सरकारी ठेकों की भरमार, दो साल में दोगुना हुआ कारोबार

लखनऊ। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर मारे गए आयकर छापे में पता चला है कि विधायक और उनके करीबियों की कंपनियों का दो वर्षों में कारोबार दोगुना हो गया। खासकर खनन, सड़क निर्माण आदि के सरकारी ठेकों में उनकी कंपनियों का खासा दखल सामने आया है। इससे संबंधित तमाम दस्तावेज भी छापे में बरामद हुए हैं। तलाशी में विभिन्न स्थानों से कागज के पन्ने, डायरी, हस्तलिखित दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई हैं जो बेहिसाब लेनदेन से जुड़ी हैं। प्रथमदृष्टया जांच में वित्तीय हेराफेरी के सुराग भी मिले हैं। आयकर विभाग अब यह भी पता लगा रहा है कि उमाशंकर और उनके करीबियों की कंपनियों ने खनन के कुल कितने पट्टे हासिल किए थे और कितना वास्तविक खनन किया।

दरअसल, बीते वर्ष सीएजी की रिपोर्ट में उमाशंकर की कंपनियों द्वारा अवैध खनन से 60 करोड़ के राजस्व हानि की रिपोर्ट दी गई थी। माना जा रहा है कि इसी के बाद आयकर विभाग ने छापे की कार्रवाई की। अधिकारियों के मुताबिक अन्य ठिकानों पर छापे शुक्रवार तक जारी रहेंगे। उधर, आयकर की कार्रवाई को लेकर उमाशंकर के बेटे प्रिंस युकेश सिंह ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि हमारे गोमतीनगर स्थित आवास और ऑफिस पर आयकर विभाग ने जांच की है।

मेट्रो एंकर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा सेना कर रही प्रोजेक्ट पर तेजी से काम

दुश्मनों पर कहर बनकर टूटेगी 'अश्नि' ड्रोन पलटन

पठानकोट, एजेंसी

भारत की सेना युद्ध में दुश्मन को पूरी तरह मटियामेट करने के लिए कई मोर्चों पर एक साथ काम कर रही है। इसी कड़ी में पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि सेना अपनी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए पैदल सेना, तोपखाने और बख्तरबंद रेजिमेंट में स्पेशल 'अश्नि' ड्रोन पलटन का गठन कर रही है। लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा कि विशेष 'भैरव' इकाइयों को दुश्मनों के क्षेत्र में अंदर तक जाकर हमले करने का जिम्मा सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन के बढ़ते महत्व को देखते हुए सेना ने अपनी संरचनाओं का पुनर्गठन किया है।

'सभी इकाइयों में ड्रोन के इस्तेमाल को एकीकृत किया'

लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा, 'हमने महसूस किया कि ड्रोन का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए, हमने सबसे छोटी उप-इकाइयों तक, सभी इकाइयों में ड्रोन के इस्तेमाल को एकीकृत किया है।' उन्होंने कहा कि 'अश्नि' ड्रोन पलटन (पैदल सेना बटालियन के भीतर छोटी उप-इकाइयां) बनाई गई हैं और प्रत्येक रेजिमेंट में इसी तरह की विशेष पलटन बनाई जाएगी। पश्चिमी सेना के कमांडर ने परिचालन तत्परता पर जोर देते हुए कहा कि भविष्य के युद्धों में सैनिकों की सुरक्षा और सटीक हमलों के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता हो सकती है।

'आक्रमण क्षमता बढ़ाने के लिए बनीं स्पेशल बटालियन'

लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा, 'ये विशेष बटालियन हमारी आक्रमण क्षमता और विशेष अभियान क्षमता को और बढ़ाने के लिए बनाई गई हैं। आने वाले समय में, स्वतंत्र रूप से कार्य करने और दुश्मन के इलाके में अंदर तक घुसने में सक्षम छोटी, फुर्तीली टीम की आवश्यकता होगी।' उन्होंने कहा कि 'भैरव' इकाइयों को शत्रु के क्षेत्रों के काफी अंदर जाकर अभियान चलाने के लिए तैनात किया जाएगा। लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने यह भी कहा कि कार्यक्रम में प्रदर्शित अधिकांश ड्रोन पश्चिमी कमान की कार्यशालाओं में निर्मित किए गए हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा, 'हमने सेना के भीतर ही ड्रोन बनाना शुरू कर दिया है और इनका बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रहे हैं। हम अपनी परिचालन आवश्यकताओं और आवश्यक तकनीक को समझते हैं, और हम इन्हें अपनी कार्यशालाओं में अधिक प्रभावी ढंग से बना सकते हैं।' ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए सेना कमांडर ने दोहराया कि भारत ने आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया था, और जब जवाबी हमले होने पर भारत ने सैन्य और हवाई अड्डों पर आक्रमण किया। उन्होंने जोर देकर कहा, 'इसके बाद उन्होंने न सिर्फ सीधे हमसे बल्कि अन्य देशों के माध्यम से भी संघर्ष विराम का आग्रह किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564